सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh
RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 204, नई दिल्ली । गुरुवार, 03 अक्टूबर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

03 दिल्ली में पकड़ी गई 5000 करोड़ की कोकेन...
06 भारतीय छात्र विदेश में मेडिकल अध्ययन कार्यक्रम क्यों चुन रहे हैं?
08 समरसता और सौहार्द से भारत को श्रेष्ठता के शिखर पर ले जाएंगे

संपादक के नाम पत्र

मेट्रो स्टेशन से बाहर अंडर पास वे के प्रति

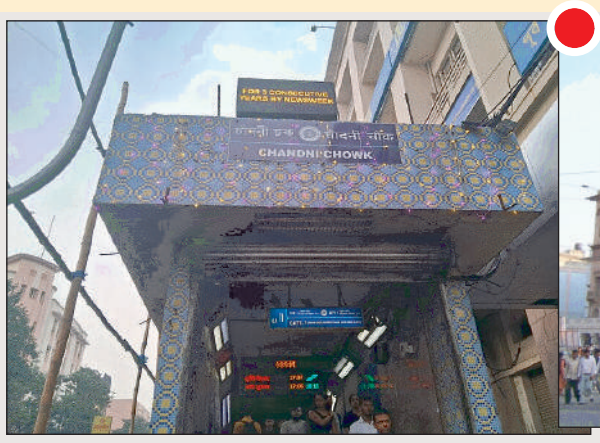

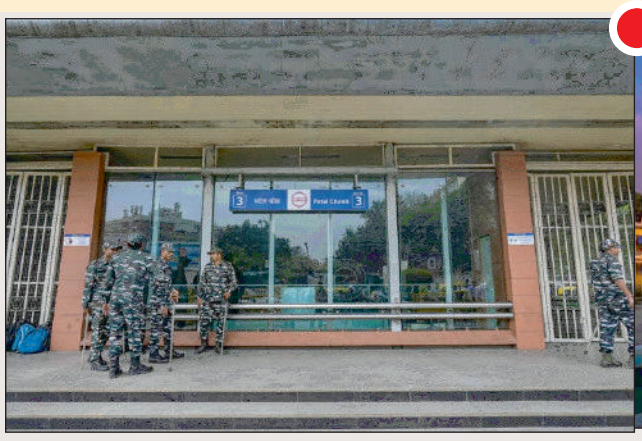

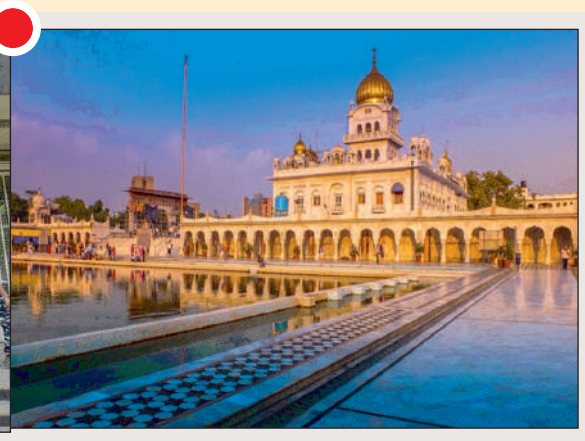

दिल्ली की जनता सार्वजनिक सवारी सेवा में सबसे अधिक विश्वास मेट्रो सेवा पर करती है और इसीलिए घर से मेट्रो स्टेशन तक बिना परेशानी पहुंचने के प्रति दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन विभाग और दिल्ली मेट्रो से मांग करती रहती है। पर जनता को पिछले 4 सालों में सिर्फ यह देखने में आ रहा है की दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन विभाग घोषणाए तो बहुत बड़ी करते आ रहे हैं पर सच्चाई में एक भी दिल्ली सरकार / दिल्ली परिवहन विभाग की घोषणा कार्यान्वित नहीं है सिर्फ खोखली घोषणा के सिवा। दिल्ली की जनता को पिछले कई सालों से सुनाया जा रहा है की घर से घर तक सुखद सार्वजनिक सवारी सेवा जनता को प्रदान पर **आज तक सेवा ही उपलब्ध नहीं की तो कैसे अहसास हो सुखद और सुरक्षित का** मोहल्ला बस सेवा शुरू करने के नाम पर से भी विज्ञापनों में खूब ख्याति प्राप्त करी पर जो सेवा प्रदान करने की घोषणा थी उससे विपरीत उन्ही सड़को और उन्हीं रूट पर चलवा दी जहां पहले से प्राईवेट कम्पनियों की बे लगाम बसे दौड़ रही है उससे जनता को कैसे प्राप्त होगा सुखद और सुरक्षित अनुभव यह टू सिर्फ परिवहन मंत्री और परिवहन विभाग ही बता सकता है। दिल्ली की जनता की आज परिवहन विशेष हिन्दी समाचार पत्र के सम्पादक से पत्र के माध्यम से उनकी आवाज को दिल्ली सरकार, परिवहन मंत्री, परिवहन आयुक्त और मेट्रो तक पहुंचाने में सहयोग प्रदान करने के लिए मांग की। मांग में उन्होंने दिल्ली के दो मेट्रो स्टेशन चांदनी चौक और पटेल चौक) पर सब वे की जनता की सुरक्षा के प्रति अपनी मांग रखी

1. चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन से शीशगंज साहिब गुरुद्वारा

2. पटेल चौक मेट्रो स्टेशन से बंगला साहिब गुरुद्वारा

इसी के साथ इस पत्र में चांदनी चौक मेट्रो स्टेशन पर ग्राउंड फ्लोर जानें वालो के लिए लिफ्ट उपलब्ध करवाने की बात कही।

*दिल्ली मेट्रो स्टेशन से बाहर मुख्य एवम् धार्मिक स्थल पर पहुंचने के लिए दिल्ली सरकार, दिल्ली परिवहन विभाग और दिल्ली मेट्रो को मिलकर जनहित में जहां जनता की सुरक्षा में अनिवार्य है सबवे का निर्माण जल्द शूरू करवाना चाहिए।

जनहित में जनता की मांग पर भारत सरकार द्वारा स्क्रैप पालिसी में शुरु हुआ पुनः विचार, और दूसरी तरफ दिल्ली सरकार ने की अब आकर घोषणा पुराने वाहन खत्म करें और नई गाड़ियों की खरीद पर पाएं टैक्स छूट

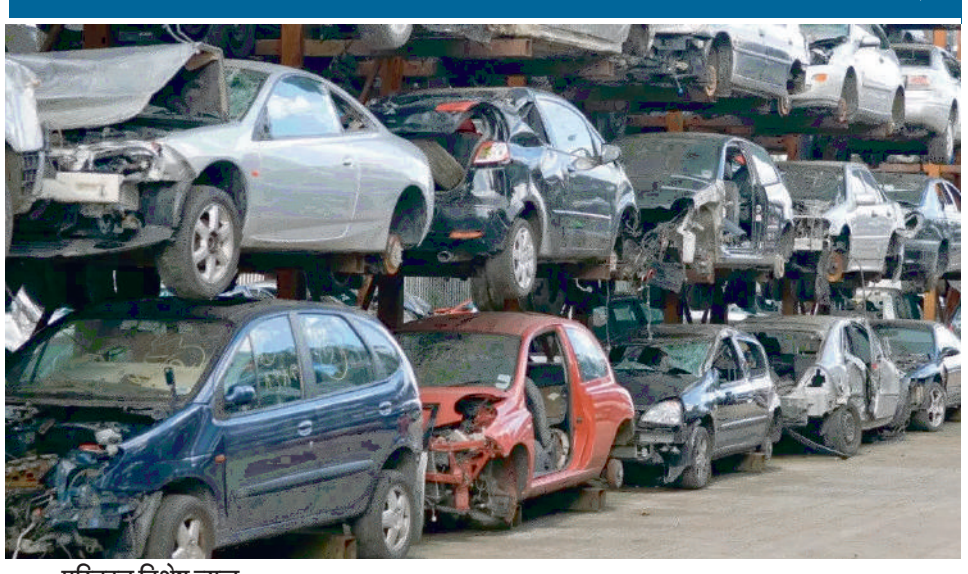

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार द्वारा मंजूरी दी गई योजना के तहत गैर-व्यावसायिक सीएनजी और पेट्रोल वाहनों की खरीद पर 20 प्रतिशत व डीजल वाहनों की खरीद पर टैक्स में 15 प्रतिशत की छूट मिलेगी। इस योजना के तहत नए व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के दौरान रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी में पुराने स्क्रैप किए गाड़ी के सर्टिफिकेट ऑफ डिपाजिट (सीओडी) जमा करवाने पर लोगों को मोटर व्हीकल टैक्स में छूट मिलेगी।

दिल्ली सरकार ने समय पूरा कर चुके पुराने वाहनों की स्क्रैपिंग (समाप्त कराने) की दिशा में एक बड़ा कदम उठाया है। इस दिशा में दिल्ली सरकार अब दिल्लीवालों को पुरानी गाड़ियों को स्क्रैप करवाने पर नई गाड़ियों की खरीद में मोटर व्हीकल टैक्स पर छूट देगी। मुख्यमंत्री आतिशी से इस योजना की मंजूरी मिल चुकी है और बहुत जल्द इसे अधिसूचित भी कर दिया जाएगा।

इस योजना के तहत नए व्यावसायिक और गैर-व्यावसायिक गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन के दौरान रजिस्टर्ड व्हीकल स्क्रैपिंग फैसिलिटी में पुराने स्क्रैप किए गाड़ी के ₹सर्टिफिकेट ऑफ डिपाजिट₹ (सीओडी) जमा करवाने पर लोगों को मोटर व्हीकल टैक्स में छूट मिलेगी। सीओडी जारी होने के तीन साल तक मान्य रहेगा।

इस योजना के तहत नए गैर-व्यावसायिक पेट्रोल/सीएनजी/एलपीजी चालित वाहनों के रजिस्ट्रेशन पर मोटर व्हीकल टैक्स में 20 प्रतिशत और ऐसे डीजल चालित वाहनों के लिए छूट 15 प्रतिशत होगी। साथ ही परिवहन व व्यावसायिक इस्तेमाल वाले पेट्रोल/सीएनजी/एलपीजी चालित वाहनों को मोटर व्हीकल टैक्स में 15 प्रतिशत और ऐसे नए डीजल चालित वाहनों के लिए 10 प्रतिशत छूट दी जाएगी।

महाशक्ति की कृपा से विश्व में सद्भावना का संचार हो और माँ का आशीर्वाद सम्पूर्ण जगत पर बना रहे : संजय बाटला संपादक

सभी देशवासियों को शरदीय नवरात्रि की बधाई व शुभकामनाए, मातारानी आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें।

सनातन धर्म में शारदीय नवरात्रों के नौ दिनों की अवधि बहुत ही पावन-पवित्र मानी गई है। इन नौ दिनों में महाशक्ति के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करने का विधान है। साधक और उसके परिवार पर माता रानी की सदा कृपा बनी रहे। इस साल शारदीय नवरात्र की शुरुआत गुरुवार 3 अक्टूबर से हो रही है और समापन 11 अक्तूबर को नवमी के दिन होगा 12 अक्तूबर को विजयदशमी का पर्व मनाया जाएगा।

शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर परिवहन विशेष हिन्दी दैनिक समाचार पत्र आप सभी के सुख, शांति और समृद्धि एवम् विश्व कल्याण की कामना करता हैं, इस शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर हम मां जगत जननी से देश-प्रदेश की सुख, समृद्धि व जीवमात्र के कल्याण की कामना करते है। महाशक्ति की कृपा से विश्व में सद्भावना का संचार हो और माँ का आशीर्वाद सम्पूर्ण जगत पर सदैव बना रहे। शक्ति स्वरूपा माता जगदंबा की अनुकंपा से सभी का जीवन सुख, शांति एवं आरोग्यता से परिपूर्ण हो यही हमारी प्रार्थना है। सभी देशवासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं, मातारानी आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें।

इस संसार में जो कुछ भी श्रेष्ठ शुभ और मंगल में है वह सब मां भगवती की विभूति है। मां जगत जननी जगदम्बा दया एवं करुणा का सागर है जो भक्तों की सूक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर उन्हें मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। जगत का कल्याण करने वाली मां भगवती की आराधना से व्यक्ति में उत्तम चरित्र का निर्माण होता है। भारतीय परम्परा में नवरात्रि का आयोजन देवी के नौ स्वरूपों के माध्यम से शक्ति, ज्ञान तथा ऐश्वर्य के तीन महत्वपूर्ण पक्षो को प्रगट करता हैं। मां जगदम्बा की एकाग्रता के माध्यम से मां के शरणागत रहते हुए जीवन को सफल बनाने के लिए शारदीय नवरात्र सर्वोत्तम पर्व है। माँ जगत जननी की शक्ति और भक्ति व्यक्ति के जीवन को भवसागर से पार लगती है। मां दुर्गा की पूजा करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है और नकारात्मक शक्तियों का विनाश होता है। पृथ्वी पर जब कभी असहायों पर अत्याचार बढ़ता है, तब मां भगवती किसी न किसी रूप में अवतरित होकर मानव जाति का कल्याण करती है। इसलिए मां शक्ति की पूजा के लिए नवरात्र अत्यधिक महत्वपूर्ण है। नवरात्र पर्व के दौरान सात्विक मन से की गई मां भगवती की आराधना सहस्त्र गुना पूर्ण फलदायक होती है। नवरात्रों में माँ भगवती की आराधना से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं। मां भगवती की आराधना सभी भक्तों के लिए कल्याणकारी हैं। नवरात्रों में प्रतिदिन मां भगवती के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करने से भक्तों के सभी कष्ट और परेशानियां दूर हो जाती है। नवरात्रि पर आराधना करने से मां भगवती का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है। मां भगवती की कृपा से भाग्य प्रबल होता है और परिवार में सुख समृद्धि का वास होता है। नवरात्रों में नौ दिन तक की गई आराधना से प्रसन्न होकर मां भगवती भक्तों के भंडार भर देती है। मां दुर्गा अपने भक्तों का कष्ट दूर कर जीवन में खुशहाली स्थापित करती है और समय-समय पर मां दुर्गा अलग-अलग स्वरूप धारण कर भक्तों की रक्षा करती हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में भक्तों द्वारा श्रद्धा समर्पण भाव से मां दुर्गा की पूजा आराधना करने से मां भगवती लोक कल्याण करती है और जीवन में शांति स्थापित करती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए मां भगवती की आराधना अवश्य करनी चाहिए। नवरात्रों में माँ भगवती की आराधना से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं। जो भी भक्त आस्था से मां के समक्ष सिर झुकाते हैं, मां उसकी मुरादे अवश्य पूरी करती है।

टेंपल्स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट (पंजीकृत)
TOLWA
website : www.tolwa.in
Email : tolwadelhi@gmail.com
bathlasanjaybathla@gmail.com
रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल - 0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण
रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063
कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

दिल्ली सरकार के एक्शन के बाद जागा पीडब्ल्यूडी सड़कें ठीक करने को लगाईं 100 टीमें

दिल्ली सरकार के निर्देश पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने राजधानी की सड़कों को दुरुस्त करने का काम शुरू कर दिया है। मानसून के दौरान खराब हुईं सड़कों पर हुए गड्ढों को भरने के लिए पीडब्ल्यूडी ने अभियान शुरू कर दिया है। इस कार्य में 100 से ज्यादा टीमों को मेंटिनेंस वैन के साथ तैनात किया गया है।

नई दिल्ली। दिल्ली की सरकार की सख्ती के बाद लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) पर सड़कों को जल्द ठीक करने का दबाव बढ़ गया है। इसे देखते हुए पीडब्ल्यूडी (PWD) ने दिल्ली कैबिनेट द्वारा किया जा रहा सड़कों की खराब हालत का सर्वे पूरा होने से पहले ही सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है।

रात में जब सड़कों पर यातायात कम हो रहा है, उस समय सड़कों की मरम्मत की जा रही है। पिछले दो दिनों में रिंग रोड पर आईटीओ इलाके से लेकर बारापुला एलिवेटेड कॉरिडोर के साथ साथ सीआर पार्क में सड़कों की मरम्मत की गई है।

डीएमआरसी के साथ होगी बैठक

उधर विभाग ने यमुनापार के वजीराबाद रोड पर भजनपुरा से लेकर यमुना विहार तक सड़क की खराब हालत को लेकर दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) को पत्र लिखकर बैठक के लिए कहा है। जल्द ही इस बारे में बैठक होने जा रही है।

दरअसल यह सड़क डीएमआरसी को सौंपी जा चुकी है। डीएमआरसी यहां पर डबलडेकर फ्लाईओवर बना रहा है। मगर इसके नीचे के भाग में सड़क की दशा खराब हो गई है। बैठक कर पीडब्ल्यूडी सड़क की हालत के बारे में बात करेगा।

मानसून के दौरान खराब हुईं सड़कें

मानसून के दौरान खराब हुईं सड़कों पर हुए गड्ढों को भरने के लिए पीडब्ल्यूडी ने अभियान शुरू कर दिया है। पीडब्ल्यूडी के अनुसार इस कार्य में 100 से ज्यादा टीमों को मेंटिनेंस वैन (रखरखाव वाहन) के साथ तैनात किया गया है, ताकि हर क्षेत्र पर बराबर ध्यान दिया जा सके।

PWD के दायरे में 1400 किमी सड़कें

दिल्ली में 1400 किलोमीटर सड़कें दिल्ली सरकार के पीडब्ल्यूडी के दायरे में आती हैं। मानसून के दौरान जलभराव और भारी वर्षा के कारण खराब हो जाती हैं। हाल में पीडब्ल्यूडी ने सड़कों का सर्वेक्षण किया था, जिसमें कई गड्ढों और टूटी सड़कों की मरम्मत स्थलों की पहचान की गई थी। इसी बीच दिल्ली कैबिनेट ने सड़कों को लेकर अपना सर्वे शुरू कर दिया है, जो इस पूरे सप्ताह तक चलेगा।

शारदीय नवरात्र विशेष

03 अक्टूबर 2024, गुरुवार से माता के शारदीय नवरात्र प्रारंभ हो रहे हैं। अतः आप प्रत्येक नवरात्र पर निम्न वस्तुओं का भोग लगा सकते हैं-:

माता के पसंदीदा भोग-:

1- मां शैलपुत्री- 'घी'

मां शैलपुत्री को सफेद चीजों का भोग लगाया जाता है। इस दिन देवी मां के चरणों में गाय का शुद्ध घी अर्पित करने से व्यक्ति को हर तरह के रोगों से मुक्ति मिलती है।

यदि आप ज्योत या हवन करते हैं तो उसमें शुद्ध घी की आहूति दें।

2- मां ब्रह्मचारिणी- 'मिश्री'

नवरात्रि के दूसरे दिन मां को ₹मिश्री₹ का भोग लगाये हैं. इस दिन माता को मिश्री, और पंचामृत का भी भोग लगाया जाता है. माना जाता है कि इस दिन इन खास चीजों का दान करने से आयु लंबी होती है।

3- मां चंद्रघंटा- 'खीर'

मां चंद्रघंटा को दूध और उससे बनी चीजों का भोग लगाया जाता है। इस दिन मां को खीर व दूध से बनी मिठाईयों का भोग लगाएं।

मां चंद्रघंटा खुश होती हैं और व्यक्ति के सभी दुखों का नाश करती हैं।।

4- मां कुष्मांडा- 'मालपुआ'

नवरात्रि के चौथे दिन मां कुष्मांडा को मालपुआ का भोग लगाया जाता है। इस दिन मां का थोड़ा सा प्रसाद गाय को भी खिलाएं।

5- मां स्कंदमाता- 'केला'

नवरात्रि के पांचवें दिन स्कंदमाता देवी की पूजा की जाती है। इस दिन मां को केले का भोग लगाया जाता है। मां के थोड़े से प्रसाद में कुछ केले गाय व नंदी को भी खिलाएं। यह प्रसाद छोटे बच्चों में भी बांटें ।ऐसा करने से सद्बुद्धि आती है।।

6- मां कात्यायनी- 'शहद'

छठे दिन देवी कात्यायनी को शहद का भोग लगाते हैं. इस दिन प्रसाद में शहद का प्रयोग करने से साधक को सुंदर रूप की प्राप्ति होती है।।

7- मां कालरात्रि- 'गुड़'

नवरात्रि के सातवें दिन कालरात्रि देवी की पूजा की जाती है. इस दिन माता को गुड़ का भोग लगाते हैं. कहा जाता है कि इस दिन भगवती को गुड़ का भोग लगाने से व्यक्ति शोकमुक्त होता है।।

8- मां महागौरी- 'नारियल'

इस दिन महागौरी की पूजा की जाती है ।इस माता को नारियल का भोग लगाया जाता है ।मान्यता है कि ऐसा करने से आपकी मनोकामना पूरी होगी।।

9- मां सिद्धिदात्री- 'तिल'

नवरात्र के अंतिम दिन सिद्धिदात्री देवी की पूजा की जाती है। इस दिन मां को विभिन्न प्रकार के अनाजों का भोग लगाएं जैसे- हलवा, चना-पूरी, खीर और पुए और फिर उसे छोटे बच्चों, देवी स्वरूपा कन्याओं को प्रसाद खिलाएं और उन्हें दक्षिणा दें। ऐसा करने से जीवन में हर प्रकार की सुख-शांति मिलती है।।

मां के नौ स्वरूपों का उनका पसंदीदा भोग लगाएं और प्रसाद छोटे बच्चों व बुजुर्गों को भी दे और उसके उपरांत स्वयं ग्रहण करें।।

नवरात्रि पहले दिन इस तरह से करें घटस्थापना, जानें शुभ चौघड़िया मुहूर्त

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत कल यानी 3 अक्टूबर 2024 को हो रहा है। नवरात्र के पहले दिन मां दुर्गा के पूजन के अलावा स्थापना या घट स्थापना का विधान है। जानें नवरात्रि में कलश स्थापना का शुभ चौघड़िया मुहूर्त।

शारदीय नवरात्रि की शुरुआत कल से शुरु हो रहा है। इस साल माता रानी पालकी पर सवार होकर आ रही है। नवरात्र के पहले दिन कलश या घट स्थापना की जाती है। नवरात्रि के पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरुप मां शैलपुत्री की पूजा का विधान है। ज्यतोषि के अनुसार,नवरात्रि के पहले दिन सूर्योदय से लेकर दोपहर 3.17 बजे हस्त नक्षत्र व्याप्त रहेगा और उसके बाद चित्रा नक्षत्र आरंभ होगा। नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना अत्यंत शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं घटस्थापना के शुभ चौघड़िया मुहूर्त।

जानें शुभ घटस्थापना की चौघड़िया मुहूर्त

ज्योतिष के अनुसार, 3 अक्तूबर 2024 को शुभ चौघड़िया मुहूर्त सुबह 6 बजे से सुबह 7.30 बजे तक रहेगा और उसके बाद सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक रहेगा। लेकिन राहुकाल दोपहर 1.30 बजे से लेकर दोपहर तीन बजे तक रहेगा। राहुकाल के समय कलश स्थापना करना सबसे श्रेष्ठ माना जा रहा है।

इस बार शारदीय नवरात्रि में मां का आगमन डोली यानी पालकी पर हो रहा है, जिसे अशुभ माना जा रहा है। इसकी वजह से दुर्घटनाएं, अपदाएं, भूस्खलन आदि घटनाओं में वृद्धि होती है। मां का प्रंस्थान युद्ध यानी मुर्गे से होगा, इसे शुभ माना जाता है। ज्योतिष में माता रानी के इस वाहन को अमंगलकारी माना गया है।

श्रद्धा एवं आस्था का प्रतीक है नवरात्रि पर्व

शारदीय नवरात्रि में प्रभु श्रीराम रामेश्वरम धाम में समुद्र तट पर भगवती मां के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं और चार वेदों के ज्ञाता, सभी ग्रहों को अपने वश में करने वाले महान विद्वान लंकापति राजा रावण को पराजित करने का वरदान प्राप्त करते हैं'

भारत की भूमि उत्सव एवं मेलों की प्रतीक है। यहां पर प्रत्येक दिवस का अपना महत्व है। भारत की देव दर्शन संस्कृति विश्व भर में प्रचलित है। इसी परंपरा की श्रृंखला में नवरात्रि पर्व भी सम्मिलित है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातों का समय, जिसमें शक्ति की पूजा की जाती है। भारतीय सनातन धर्म परंपरा में एक वर्ष में चार बार नवरात्रि पर्व होता है जो चैत्र, आषाढ़, आश्विन एवं माघ मास शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। आषाढ़ एवं माघ गुप्त नवरात्रि पर्व हैं जिनका विधान योगियों से संबंधित है। चैत्र एवं आश्विन नवरात्रि का विधान गृहस्थ जीवन में रहने वाले साधकों के लिए है। चैत्र एवं शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व एवं प्राचीन इतिहास है। चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को हिंदू नव वर्ष के रूप में मनाया जाता है। शारदीय नवरात्रि आश्विन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा से आरंभ होते हैं। भारत के विभिन्न राज्यों में नवरात्रों में पूजन की क्षेत्रीय विधियां भी हैं जो वहां की संस्कृति की प्रतीक हैं। गुजरात में गरबा नृत्य करके देवी को प्रसन्न किया जाता है। बंगाल में दुर्गा पूजा का महापर्व हर्षोल्लास से मनाया जाता है। उत्तर भारत में नवरात्रि महोत्सव की धूम निराली ही होती है। हिमाचल प्रदेश में इस पर्व की तैयारियों में शक्तिपीठ सजाए जाते हैं। देश के विभिन्न कोने से भक्त मां ज्वालादेवी, श्री नयना देवी, चिंतपूर्णी, वज्रेश्वरीदेवी, चामुण्डा देवी एवं कटड़ा में मां वैष्णो देवी के दर्शन के लिए लम्बी कतारें लगती हैं। चातुर्मास में जो धार्मिक एवं शुभ कार्य धार्मिक दृष्टिकोण से रोक दिए जाते हैं, वे नवरात्रि में शुरू हो जाते हैं। नवरात्रि का इतिहास वैदिक काल से भी पूर्व के समय से जुड़ा हुआ है। इस वर्ष हिंदू पंचांग के अनुसार 2081 शारदीय नवरात्रि पर्व आश्विन शुक्ल प्रतिपदा तिथि 3 अक्तूबर से आरंभ हो रहे हैं। नवरात्रि पर्व में मां दुर्गा के नौ अवतारों की पूजा की जाती है।

पूजन विधि : भगवती मां दुर्गा अपने नौ अवतारों में साधकों एवं भक्तों के संकल्प को पूरा करती हैं। जिस भावना से भक्त अपनी देवी की उपासना करता है, विधि-विधान से दुर्गा स्तुति, दुर्गा सप्तशती पाठ एवं आरती करता है, मां उसी भावना के साथ उसके मनोरथ पूर्ण करती है। प्रत्येक एक दिन देवी के प्रत्येक अवतार का प्रतीक है। प्रथम नवरात्रि 3 अक्तूबर प्रातः ब्रह्म मुहूर्त में नित्य कर्म से निवृत्त होकर स्नान करके सर्वप्रथम गणेश स्तुति करने के बाद कलश स्थापना करें। इसके साथ जौं बोने की विधि को भी सम्पन्न करें। जौं को शास्त्रों में प्रथम फसल स्वीकार किया गया है। हवन सामग्री में भी जौं की आहुति अग्नि देवी को दी जाती है। जौं बीजना समृद्धि एवं प्रगति के सूचक हैं। इसके बाद आप देवी मां का स्मरण करते हुए संकल्प लें कि 'हे मां ! हम आपकी शरणागत हैं और आप हमारी यह पूजन विधि सफल करना। आपके आशीर्वाद से ही यह कार्य सफल होगा। प्रतिदिन ब्रह्म मुहूर्त में उठकर स्नान करने के पश्चात पुष्प, लाल सिंदूर, लौंग, इलायची, फल आदि अर्पित करें। आप अपनी सुविधानुसार गाय के घी का दीपक सुबह-शाम कर सकते हैं। यदि आपके पास समय एवं सामथ्य है तो आप नौ दिन उपवास एवं अखंड ज्योति भी प्रज्वलित करके भगवती मां को प्रसन्न कर सकते हैं। प्रथम नवरात्रि से नवम नवरात्रि तक मां के नौ अवतारों की पूजा विधि-विधान से की जाती है। नवरात्रि के नौवें दिन नौ कन्याओं को श्रद्धा एवं प्रेम के साथ घर पर आमंत्रित करके हलवा-पूड़ी, सब्जी, फल एवं चने आदि सात्विक आहार का भोग लगाया जाता है और सामथ्य के अनुसार उपहार एवं दक्षिणा दी जाती है। देवी का पूजन कुछ क्षेत्रीय मान्यताओं पर भी आधारित है।

कई स्थानों पर भक्त महा अष्टमी को यह कार्यक्रम करते हैं। कुछ भक्त रामचरितमानस का पाठ भी करते हैं। शारदीय नवरात्रि में प्रभु श्रीराम रामेश्वरम धाम में समुद्र तट पर भगवती मां के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं और चार वेदों के ज्ञाता सभी ग्रहों को अपने वश में करने वाले महान विद्वान लंकापति राजा रावण को पराजित करने का वरदान प्राप्त करते हैं। नवरात्रि के दसवें दिन राम-रावण का समर असत्य पर सत्य, छल पर विश्वास एवं अहंकार पर परोपकार की विजय के साथ समाप्त होता है जिसे हम विजयदशमी या दशहरा के रूप में उत्सव मनाते हैं। मां के नौ स्वरूप हैं : शैलपुत्री, ब्रह्मचारिणी, चंद्रघंटा, कूष्मांडा, स्कंदमाता, कात्यायनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धीदात्री। शैलपुत्री : शैल का शाब्दिक अर्थ चट्टान है। शैलपुत्री का अर्थ पहाड़ की बेटी है। मां पार्वती का पुनर्जन्म है। यह पहली नवदुर्गा का स्वरूप है। मां शैलपुत्री अरुणोदय में प्रकट हुई और सूर्यप्रभा से इनका रंग नारंगी हो गया। इनकी सवारी बैल है। पहले नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां शैलपुत्री रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' ब्रह्मचारिणी : ब्रह्म का अर्थ है तप। ब्रह्मचारिणी का अर्थ है तप का आचरण करने वाली एक समर्पित देवी। मां का यह स्वरूप अंतर्मन की ऊर्जा को जागृत करने का प्रतीक है। मां पार्वती शिव को पति रूप में पाने के लिए वाम हस्त में कमंडल तथा दाहिनी हाथ में माल लेकर तप करने के लिए जाती हैं। उनके इसी स्वरूप को ब्रह्मचारिणी कहा जाता है। इस दिन आप ऐसी कुंवारी लडक़ी जिसका विवाह तय हो गया हो, लेकिन विवाह अभी होना हो, उसे शाम को देवी स्वरूप में बुलाकर श्रद्धा भाव से भोजन करवा कर उपहार दे सकते हैं। दूसरे नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां ब्रह्मचारिणी रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।' चंद्रघंटा : तीसरा नवरात्रि मां चंद्रघंटा को समर्पित है। शिव के साथ विवाह के पश्चात मां पार्वती ने चंद्रमा को अपने मस्तक पर सुशोभित किया, जिससे मां का यह स्वरूप विकसित हुआ। स्वर्ण से आभामय मां का 10 भुजाओं वाला स्वरूप है। अस्त्र-शास्त्र धारण करके मां सिंह की सवारी करती हैं। देवी के इस स्वरूप के पूजन से भक्तों को आरोग्य, सुख-संपदा की प्राप्ति होती है। शाम को आरती के बाद देवी को दूध से बने हुए मिष्ठान का भोग लगाकर प्रसाद को भक्तों में बांट दें। तीसरे नवरात्रि को इस मंत्र का जाप अवश्य करें : 'या देवी सर्वभूतेषु मां चंद्रघंटा रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।'

कूष्मांडा : चौथा नवरात्रि मां कूष्मांडा को समर्पित है। देवी कुष्मांडा अष्ट भुजाओं वाली, दिव्य मुस्कान की स्वामिनी हैं। देवी ने अपनी अष्ट भुजाओं में कमंडल, कमल, कलश, सुदर्शन चक्र, धनुष, गदा बाण एवं सर्वसिद्धि माला को धारण किया है। जो साधक सच्चे मन से इनकी शरण में चला जाए, देवी उसकी हर समस्या का निदान करती हैं। कूष्मांडा देवी को कुम्हड़ा (कद्दू या पेठे) की बलि से प्रसन्न किया जाता है। देवी को लाल वस्त्र, नैवेद्य एवं श्रृंगार सामग्री भी अति प्रिय है। देवी के आशीर्वाद से भक्तों को यश की प्राप्ति होती है और दीर्घायु जीवन प्राप्त होता है। स्कंदमाता : पांचवां नवरात्रि मां स्कंदमाता को समर्पित है। देवी का यह स्वरूप अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करता है। मां की चार भुजाएं हैं। इनका वाहन शेर है। देवी के इस स्वरूप की पूजा करने से भक्तों के कष्ट कम होते हैं तथा इस भवसागर से मुक्ति पाकर मोक्ष का मार्ग सरल होता है। कात्यायनी : भगवती दुर्गा के छठे स्वरूप को कात्यायनी देवी कहा जाता है। देवी का यह स्वरूप चतुर्भुजी है। देवी अपने भक्तों को भय से मुक्ति प्रदान करती हैं और भक्ति का वरदान देती हैं। देवी के स्वरूप की पूजा से विवाह में आने वाले विघ्न समाप्त होते हैं और विवाह के योग बनते हैं। कालरात्रि : देवी का सातवां स्वरूप कालरात्रि का प्रतीक है। देवी कालरात्रि भक्तों के शत्रुओं का नाश करती हैं। महागौरी : देवी का आठवां स्वरूप महागौरी का है। देवी शुचिता, करुणा, सौम्यता के लिए जानी जाती हैं। सिद्धिदात्री : नवां रूप, सिद्धि का अर्थ है अलौकिक शक्ति और दात्री का आशय है देने वाली।

नवरात्रि के व्रत में बनाएं अलग-अलग तरह से स्वादिष्ट खीर, फटाफट नोट कर लें रेसिपी

अनन्या मिश्रा

नवरात्रि के दौरान खीर बनाने के लिए मखाने और साबूदाने का इस्तेमाल किया जाता है। यह खीर खाने में बेहद स्वादिष्ट होती है। ऐस में नवरात्रि के मौके पर आप भी खीर का सेवन कर सकते हैं।

इस बार 03 अक्तूबर 2024 से शारदीय नवरात्रि की शुरूआत हो रही है। दुनियाभर में मां दुर्गा के लाखों भक्त 9 दिनों का उपवास करते हैं। व्रत करने वाले जातक 9 दिनों तक अन्न का सेवन नहीं करते हैं। बल्कि विशिष्ट खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। नवरात्रि के मौके पर अनाज खाने से परहेज किया जाता है। बल्कि इन दिनों राजगिरा और कट्टू जैसे अनाज का सेवन करते हैं। लेकिन नवरात्रि के मौके पर आप खीर का सेवन कर सकते हैं।

बता दें कि खीर एक मीठा व्यंजन है और यह भारतीय मिठाइयों में से एक है। नवरात्रि के व्रत में लोग खीर खाना पसंद करते हैं। हालांकि खीर कई तरह से बनाई जा सकती है। आमतौर पर खीर दूध और चावल से बनाई जाती है। लेकिन नवरात्रि के दौरान खीर बनाने के लिए मखाने और साबूदाने का इस्तेमाल किया जाता है। यह खीर खाने में बेहद स्वादिष्ट होती है। ऐस में नवरात्रि के मौके पर आप भी खीर का सेवन कर सकते हैं। हम इस आर्टिकल के जरिए आपको तीन स्वादिष्ट और व्रत-फ्रेंडली खीर रेसिपीज के बारे में बताने जा रहे हैं। जिनको आप व्रत के दौरान खा सकते हैं।

मखाना और काजू की खीर रेसिपी

यह खीर मखाने से बनाई जाती है और इसमें काजू और मावा भी डाला जाता है। जो इसके स्वाद को बढ़ाने का काम करते हैं। बता दें कि भारत में इस खीर को सदियों से बड़े चाव से खाया जाता है। यह कैलोरी से भरपूर डिजर्ट है। व्रत के दिनों में इस खीर का सेवन कर अपने खाने को अधिक दिलचस्प बना सकते हैं।

साबूदाना खीर रेसिप

नवरात्रि पर व्रत करने वाले लोग साबूदाना का सेवन कर सकते हैं। ऐसे में आप साबूदाने की खीर का सेवन कर सकते हैं। यह एक बेहद सरल और स्वादिष्ट डिजर्ट है। साबूदाना में अच्छी मात्रा में स्वस्थ कार्बोहाइड्रेट होते हैं। इसके कैलोरी की मात्रा काफी समृद्ध होती है। इसलिए नवरात्रि के व्रत में आप साबूदाने की खीर का सेवन कर सकते हैं।

व्रत वाली खीर रेसिपी

इस खीर को व्रत वाले चावल के इस्तेमाल से बनाया जाता है। आम चावल की जगह सामवत चावल का इस्तेमाल किया जाता है। फिर उन्हीं से व्रत वाली खीर बनाकर तैयार की जाती है। आप इसको गर्म या फिर फ्रिज में ठंडा करके भी खा सकते हैं।

नवरात्र : मां दुर्गा की पूजा का श्रेष्ठ समय

नवरात्र हिंदू धर्म ग्रंथ एवं पुराणों के अनुसार माता भगवती की आराधना का श्रेष्ठ समय होता है। भारत में नवरात्र का पर्व एक ऐसा पर्व है जो हमारी संस्कृति में महिलाओं के गरिमामय स्थान को दर्शाता है। वर्ष में चार नवरात्र चैत्र, आषाढ़, आश्विन और माघ महीने की शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक नौ दिन के होते हैं, परंतु प्रसिद्धि में चैत्र और आश्विन के नवरात्र ही मुख्य माने जाते हैं। इनमें भी देवीभक्त आश्विन के नवरात्र अधिक करते हैं। इनको यथाक्रम वासंती और शारदीय नवरात्र भी कहते हैं। इनका आरंभ क्रमश : चैत्र और आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से होता है। अत : यह प्रतिपदा सम्मुखी शुभ होती है'

नौ देवियां

शैलपुत्री प्रथम, ब्रह्मचारिणी द्वितीय, चंद्रघंटा तृतीय, कूष्मांडा चतुर्थ, स्कंदमाता पंचम, कात्यायनी षष्टम, कालरात्रि सप्तम, महागौरी अष्टम व सिद्धिदात्री नवम। नौ दिन यानी हिंदी माह चैत्र और आश्विन के शुक्ल पक्ष की पड़वा यानी पहली तिथि से नौवीं तिथि तक प्रत्येक दिन की एक देवी मतलब नौ द्वार वाले दुर्ग के भीतर रहने वाली जीवनी शक्ति रूपी दुर्गा के नौ रूप हैं।

नवरात्रों का महत्त्व

नवरात्रों में लोग अपनी आध्यात्मिक और मानसिक शक्तियों में वृद्धि करने के लिए अनेक प्रकार के उपवास, संयम, नियम, भजन, पूजन, योग साधना आदि करते हैं। सभी नवरात्रों में माता के सभी 51 पीठों पर भक्त विशेष रूप से माता के दर्शनों के लिए एकत्रित होते हैं। जिनके लिए वहां जाना संभव नहीं होता है, वे अपने निवास के निकट ही माता के मंदिर में दर्शन कर लेते हैं। नवरात्र शब्द नव अहोरात्रों का बोध कराता है। इस समय शक्ति के नव रूपों की उपासना की जाती है। रात्रि शब्द सिद्धि का प्रतीक है। उपासना और सिद्धियों के लिए दिन से अधिक रात्रियों को महत्त्व दिया जाता है। हिंदुओं के अधिकतर पर्व रात्रियों में ही मनाए जाते हैं। रात्रि में मनाए जाने वाले पर्वों में दीपावली, होलिका दहन, दशहरा आदि आते हैं। शिवरात्रि और नवरात्रे भी इनमें से कुछ एक हैं। रात्रि समय में जिन पर्वों को मनाया जाता है, उन पर्वों में सिद्धि प्राप्ति के कार्य विशेष रूप से किए जाते हैं। नवरात्रों के साथ रात्रि जोडऩे का भी यही अर्थ है कि माता शक्ति के इन नौ दिनों की रात्रियों को मनन व चिंतन के लिए प्रयोग करना चाहिए।

शारदीय नवरात्र

शारदीय नवरात्र आश्विन शुक्ल पक्ष की प्रतिप्रदा से शुरू होता है। आश्विन मास में आने वाले नवरात्र का अधिक महत्त्व माना गया है। इसी नवरात्र में जगह-जगह गरबों की धूम रहती है।

चैत्र या वासंती नवरात्र

चैत्र या वासंती नवरात्र का प्रारंभ चैत्र मास शुक्ल पक्ष की प्रतिप्रदा से होता है। चैत्र में आने वाले नवरात्र में अपने कुल देवी-देवताओं की पूजा का विशेष प्रावधान माना गया है। वैसे दोनों ही नवरात्र मनाए जाते हैं। फिर भी इस नवरात्र को कुल देवी-देवताओं के पूजन की दृष्टि से विशेष मानते हैं। आज के भागमभाग के युग में अधिकांश लोग अपने कुल देवी-देवताओं को भूलते जा रहे हैं। कुछ लोग समयाभाव के कारण भी पूजा-पाठ में कम ध्यान दे पाते हैं। जबकि इस ओर ध्यान देकर आने वाली अनजान मुसीबतों से बचा जा सकता है। ये कोई अंधविश्वास नहीं, बल्कि शाश्वत सत्य है।

संस्कृत व्याकरण के अनुसार नवरात्रि कहना त्रुटिपूर्ण है। नौ रात्रियों का समाहार, समूह होने के कारण से द्वंद्व समास होने के कारण यह शब्द पुलिंग रूप नवरात्र में ही शुद्ध है। पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा के काल में एक साल की चार संधियां हैं। उनमें मार्च व सितंबर माह में पडऩे वाली गोल संधियों में साल के दो मुख्य नवरात्र पड़ते हैं। इस समय रोगाणु आक्रमण की सर्वाधिक संभावना होती है। ऋतु संधियों में अक्सर शारीरिक बीमारियां बढ़ती हैं, अतः उस समय स्वस्थ रहने के लिए, शरीर को शुद्ध रखने के लिए और तन-मन को निर्मल और पूर्णतः स्वस्थ रखने के लिए की जाने वाली प्रक्रिया का नाम नवरात्र है।

नवरात्र कथा

पौराणिक कथानुसार प्राचीन काल में दुर्गम नामक राक्षस ने कठोर तपस्या कर ब्रह्मा जी को प्रसन्न कर लिया। उनसे वरदान लेने के बाद उसने चारों वेदों व पुराणों को कब्जे में लेकर कहीं छिपा दिया, जिस कारण पूरे संसार में वैदिक कर्म बंद हो गया। इस वजह से चारों ओर घोर अकाल पड़ गया। पेड़-पौधे व नदी-नाले सूखने लगे। चारों ओर हाहाकार मच गया। जीव-जंतु मरने लगे। सृष्टि का विनाश होने लगा। सृष्टि को बचाने के लिए देवताओं ने व्रत रखकर नौ दिन तक मां जगदंबा की आराधना की और माता से सृष्टि को बचाने की विनती की। तब मां भगवती व असुर दुर्गम के बीच घमासान युद्ध हुआ। मां भगवती ने दुर्गम का वध कर देवताओं को निर्भय कर दिया। तभी से नवदुर्गा तथा नव व्रत का शुभारंभ हुआ।

नियम और मान्यताएं

नवरात्र में देवी मां के व्रत रखे जाते हैं। स्थान-स्थान पर देवी मां की मूर्तियां बनाकर उनकी विशेष पूजा की जाती है। घरों में भी अनेक स्थानों पर कलश स्थापना कर दुर्गा सप्तशती पाठ आदि होते हैं। नरीसेमरी में देवी मां की जोत के लिए श्रद्धालु आते हैं और पूरे नवरात्र के दिनों में भारी मेला रहता है। शारदीय नवरात्र आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा से नवमी तक यह व्रत किए जाते हैं। भगवती के नौ प्रमुख रूप (अवतार) हैं तथा प्रत्येक बार 9-9 दिन ही ये विशिष्ट पूजाएं की जाती हैं। इस काल को नवरात्र कहा जाता है। वर्ष में दो बार भगवती भवानी की विशेष पूजा की जाती है। इनमें एक नवरात्र तो चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से नवमी तक होते हैं और दूसरे श्राद्धपक्ष के दूसरे दिन आश्विन शुक्ल प्रतिपदा से आश्विन शुक्ल नवमी तक। आश्विन मास के इन नवरात्रों को शारदीय नवरात्र कहा जाता है क्योंकि इस समय शरद ऋतु होती है। इस व्रत में नौ दिन तक भगवती दुर्गा का पूजन, दुर्गा सप्तशती का पाठ तथा एक समय भोजन का व्रत धारण किया जाता है।

प्रतिपदा के दिन प्रातः स्नानादि करके संकल्प करें तथा स्वयं या पंडित के द्वारा मिट्टी की वेदी बनाकर जौ बोने चाहिए। उसी पर घट स्थापना करें। फिर घट के ऊपर कुलदेवी की प्रतिमा स्थापित कर उसका पूजन करें तथा दुर्गा सप्तशती का पाठ कराएं। पाठ-पूजन के समय अखंड दीप जलता रहना चाहिए। वैष्णव लोग राम की मूर्ति स्थापित कर रामायण का पाठ करते हैं। दुर्गा अष्टमी तथा नवमी को भगवती दुर्गा देवी की पूर्ण आहुति दी जाती है। नैवेद्य, चना, हलवा, खीर आदि से भोग लगाकर कन्या तथा छोटे बच्चों को भोजन कराना चाहिए। नवरात्र ही शक्ति पूजा का समय है, इसलिए नवरात्र में इन शक्तियों की पूजा करनी चाहिए।

'जो होता है, अच्छे के लिए होता है'... राजघाट में बोले वांगचुक- केंद्र सरकार ने मांगों को लेकर दिया आश्वासन

परिवहन विशेष न्यूज

लद्दाख से दिल्ली तक पदयात्रा कर रहे जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को हिरासत में ले लिया गया। वे लद्दाख को पूर्ण राज्य का दर्जा देने और अनुसूची छह के तहत संवैधानिक संरक्षण प्रदान करने की मांग कर रहे हैं। वांगचुक ने कहा कि उन्हें गृह मंत्रालय ने आश्वासन दिया है कि आने वाले दिनों में उनकी प्रधानमंत्री राष्ट्रपति या गृह मंत्री से मुलाकात होगी।

नई दिल्ली :सअपनी मांगों को लेकर लद्दाख से दिल्ली आए सोनम वांगचुक (Sonam Wangchuk) बुधवार को महात्मा गांधी की जयंती पर श्रद्धांजलि देने राजघाट पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थकों और प्रशंसकों की भीड़ दिखाई दी।

पुलिस बल ने पहले उनके समर्थकों को बारी-बारी से महात्मा गांधी के दर्शन करने का अवसर दिया। इसके बाद देरी से पहुंचे वांगचुक ने महात्मा गांधी के दर्शन किए। इस दौरान लद्दाख के लोगों ने केंद्र सरकार से अपनी नाराजगी जाहिर करते हुए भी नजर आए।

'जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है'

इसी बीच मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए सोनम वांगचुक ने कहा कि 150 से अधिक पदयात्री लेह से दिल्ली पहुंचे हैं। जब हम दिल्ली पहुंचे तो हिरासत में लेने के कारण हमें कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा। लेकिन, जो भी होता है, अच्छे के लिए होता है और हमें खुशी है कि पर्यावरण संरक्षण का हमारा संदेश अधिक लोगों तक पहुंचा।

सरकार को इन मांगों का दिया ज्ञापन

उन्होंने कहा कि हमने सरकार को एक ज्ञापन दिया है कि लद्दाख को संवैधानिक प्रावधानों के तहत संरक्षित किया जाए, जिससे हिमालय की रक्षा कर सके। लद्दाख के मामले में भारतीय संविधान की अनुसूची छह है जो आदिवासी और स्थानीय लोगों की रक्षा करती है और लद्दाख के प्रबंधन और शासन को अधिकार देती है।

गांधी जी का जीवन हमेशा सर्वजन समभाव की सीख देता: केजरीवाल

परिवहन विशेष न्यूज

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल (AAP Arvind Kejriwal) ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने अपनी पार्टी की सरकारों को बापू के संदेश से जोड़ा। जरीवाल ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर एक वीडियो पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर पूरा देश बापू को याद कर रहा है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल (AAP Arvind Kejriwal) ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर उन्हें अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने बापू को नमन करते हुए कहा कि उनका जीवन हमेशा सर्वजन समभाव की सीख देता है।

उन्होंने अपनी पार्टी की सरकारों को बापू के संदेश से जोड़ा। आम आदमी पार्टी की सरकार बापू के जीवन दर्शन से सीख लेकर जनता की सेवा में जुटी है।

गांधी की जयंती के अवसर पर मंगलवार को केजरीवाल ने इंटरनेट मीडिया एक्स पर एक वीडियो पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती पर पूरा देश बापू को याद कर रहा है। गांधी जी का सपना एक ऐसा देश का था, जहां हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिले, हर बीमार को अच्छा इलाज मिले और जहां सभी जाति और धर्म के लोग भाईचारे के साथ रहें।

केजरीवाल ने कहा कि आज बापू को श्रद्धांजलि देते हुए हमें खुशी है कि देश की राजधानी दिल्ली में यह सब मुमकिन होने लगा है। आज दिल्ली में हर बच्चे को अच्छी शिक्षा मिल रही है। हर व्यक्ति को अच्छा इलाज मिल रहा है। 24 घंटे सस्ती बिजली आने लगी है। घर-घर तक पीने का पानी पहुंच रहा है। किसानों को पूरा मुआवजा मिल रहा है। शहीदों और जवानों को सम्मानित किया जा रहा हैं। युवाओं को रोजगार मिलने लगा है।

एक से दो दिन में घर खाली करेंगे अरविंद केजरीवाल, नया ठिकाना हो गया फाइनल

आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व सीएम अरविंद केजरीवाल के नए ठिकाने को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। कहा जा रहा है कि केजरीवाल अगले एक से दो दिनों के भीतर सीएम आवास खाली कर देंगे। वहीं AAP संयोजक का नया ठिकाना कहां होगा? इस संबंध में भी जानकारी सामने आई है।

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल (Arvind Kejriwal) ने जब से सरकारी आवास छोड़ने की घोषणा की है, उन्हें और उनके परिवार को रहने के लिए अपना घर देने वाले लोगों की होड़ सी लग गई है।

नई दिल्ली विधानसभा में रहेंगे केजरीवाल-AAP सूत्र

माना जा रहा है कि पूर्व सीएम मुख्यमंत्री आवास को अगले एक से दो दिन में छोड़ देंगे। ऐसे में बड़ा सवाल उठता है कि केजरीवाल और उनका परिवार कहां रहेगा? AAP सूत्रों की मानें तो केजरीवाल के लिए घर फाइनल किया गया है। आम आदमी पार्टी के मुखिया परिवार के साथ नई दिल्ली विधानसभा में रहेंगे।

विधायकों, पार्षदों और कार्यकर्ताओं ने किया अपना घर ऑफर

इससे पहले अरविंद केजरीवाल को चाहने वाले आम आदमी पार्टी के विधायक, पार्षद, कार्यकर्ता और आम नागरिक समेत हर क्षेत्र से जुड़े लोग उनको अपने घर में रहने की पेशकश कर रहे हैं।

अपनी सामाजिक, आर्थिक या राजनीतिक पृष्ठभूमि की परवाह किए बिना दिल्ली के लोगों ने अपना दिल और घर के दरवाजे दोनों अरविंद केजरीवाल के लिए खोल दिए हैं।

पूर्व सीएम को ऐसे घर की है तलाश

गौरतलब है कि अरविंद केजरीवाल अपनी पत्नी, बच्चों और बुजुर्ग माता-पिता के साथ रहते हैं और वह ऐसे घर की तलाश में हैं, जहां उनका परिवार आराम से सहूलियत के साथ रह सके।

दिल्ली में पकड़ी गई 5000 करोड़ की कोकेन, कैसे पकड़े गए तस्कर, कहां से आई खेप और क्या होता इस जहर का? यहां जानिए सबकुछ

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल (Delhi Police Special Cell) ने एक बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। इस कार्टेल के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 562 किलो कोकेन और 40 किलो थाईलैंड का गांजा जब्त किया गया है। यह गांजा हाइड्रोपोनिक तरीके से उगाया जाता है।

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने केंद्रीय एजेंसियों के इनपुट के आधार पर चार कुख्यात ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार कर एक बड़े अंतरराष्ट्रीय कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। इनके कब्जे से 562 किलो कोकेन और 40 किलो थाईलैंड का गांजा जब्त किया है। यह गांजा हाइड्रोपोनिक तरीके से उगाया जाता है।

हाइड्रोपोनिक खेती पद्धति में आवश्यक पोषक तत्वों को पानी में मिलाया जाता है, जिसमें पौधे बिना मिट्टी के उगते हैं। पुलिस ने हाल के वर्षों में कोकेन की यह सबसे बड़ी खेप होने का दावा किया है। बरामद ड्रग्स विदेश से लाई गई थी।

महिपालपुर स्थित सरगना के गोदाम से बरामद कोकेन और थाईलैंड का गांजा।

तस्करों से इस बात की जानकारी अभी सेल को नहीं मिल पाई है। संभावना जताई जा रही है कि यह खेप समुद्री मार्ग से लाई गई हो। बरामद ड्रग्स की कीमत पुलिस ने 5000 करोड़ से अधिक के होने का दावा किया है।

टीम में ये हैं शामिल

एडिशनल पुलिस कमिश्नर, स्पेशल सेल, प्रमोद सिंह कुशवाहा के मुताबिक डीसीपी अमित कौशिक, एसीपी कैलाश सिंह बिष्ट व इंस्पेक्टर राहुल कुमार के नेतृत्व में सेल की टीम ने अंतरराष्ट्रीय कार्टेल के चार सदस्यों को गिरफ्तार किया। इनकी गिरफ्तारी ड्रग्स तस्करी में शामिल संगठित अपराध सिंडिकेट को नष्ट करने के प्रयासों में एक बड़ी सफलता है।

तीन महीने से चल रहा था ऑपरेशन

इस ऑपरेशन के लिए सेल करीब तीन महीने से जुटी हुई थी, तब जाकर मंगलवार रात को सफलता मिली। गिरफ्तार आरोपियों में तुषार गोयल, वसंत एन्क्लेव, दिल्ली का रहने वाला है। इसे इस कार्टेल का सरगना बताया जा रहा है। अन्य आरोपितों में हिमांशु कुमार, हिंद विहार, प्रेम नगर, किरारी का रहने वाला है।

बाकी के आरोपी

औरंगजेब सिद्दीकी, छोटी रार, देवरिया, यूपी का रहने वाला है लेकिन कई सालों से वसंत गांव, दिल्ली में रह रहा था। चौथा आरोपी भरत कुमार जैन, पश्चिम मुंबई का रहने वाला है। चारों के पास से चार मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक वस्तुएं भी जब्त की गई है।

अगस्त में एजेंसियों को मिली जानकारी

स्पेशल सेल ड्रग्स तस्करों के खिलाफ अपने निरंतर अभियान में कई तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी से बडी खेप बरामद कर चुकी है। अगस्त के पहले सप्ताह में केंद्रीय एजेंसी को दिल्ली में विदेशों से नारकोटिक्स पदार्थ कोकेन की तस्करी में शामिल एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ कार्टेल के बारे में इनपुट प्राप्त हुआ था। इस जानकारी को विकसित करने में तीन माह का समय लग गया।

तुषार भारत में करता है ड्रग्स की सप्लाई

एक अक्टूबर को सेल की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर महिपालपुर में तुषार गोयल के गोदाम पर छापा मार ड्रग्स की एक बड़ी खेप के साथ तुषार गोयल समेत चार को दबोच लिया। तुषार इस कार्टेल के लिए भारत में नार्को सब्सटेंस का मुख्य रिसीवर और वितरक है। हिमांशु और औरंगजेब सिद्दीकी तुषार गोयल के मुख्य सहयोगी हैं।

विदेश का है मुख्य सरगना

भरत कुमार जैन, तुषार गोयल से 15 किलो कोकेन की खेप लेने के लिए मुंबई से दिल्ली आया था। अब तक पहचाने गए इस कार्टेल का मुख्य सरगना मध्य पूर्व के एक देश का होने की जानकारी मिली है। बरामद कोकेन की कीमत पुलिस ने 10 करोड़ प्रति किलो और हाइड्रोपोनिक गांजा की कीमत 50 लाख प्रति किलो होने का दावा किया है।

क्यों मंगाई गई इतनी बड़ी खेफ

ड्रग्स 23 कार्टन और आठ बोरे के अंदर छिपाकर रखी गई थी। इस रैकेट को मिडिल ईस्ट का हैंडलर ऑपरेट कर रहा था। दिल्ली से यह ड्रग्स अलग-अलग शहरों से पहुंचाई जानी थी। इतनी बड़ी खेप किस वजह से मंगाई गई थी, क्या किसी बड़ी पार्टी या कॉन्सर्ट में इसका इस्तेमाल होना था इसकी सेल जांच कर रही है। फिलहाल नार्को टेरर एंगल सामने नहीं आया है।

कौन हैं तस्कर

तुषार गोयल, 2003 में आईपी विश्वविद्यालय से स्नातक पास है। उसके पिता तुषार प्रकाशन और ट्यूलिप प्रकाशन नाम से दो प्रकाशन चलाते हैं। पढ़ाई के बाद उसने अपने पिता के प्रकाशन का व्यवसाय भी संभाला। 2008 में शादी के बाद उसने लाइजनिंग का काम शुरू कर दिया और ऐशो-आराम की जिंदगी जीने लगा। इसी बीच वह दुबई में एक कार्टेल के सरगना के संपर्क में आया और उसके साथ तस्करी करना शुरू र दिया।

हिमांशु कुमार 12वीं पास है। पढ़ाई छोड़ने के बाद उसने जिम ज्वाइन कर लिया और रोजाना अलग-अलग लोगों के लिए बाउंसर और सुरक्षाकर्मी के रूप में काम करना शुरू कर दिया। बाद में वह तुषार गोयल के संपर्क में आया और उसके लिए काम करना शुरू कर दिया।

औरंगजेब सिद्दीकी देवरिया से 11वीं तक पढ़ाई करने के बाद नौकरी की तलाश में दिल्ली आ गया था। यहां वह तुषार के ड्राइवर के रूप में काम करने लगा। बाद में वह तुषार के कार्टेल में शामिल हो गया।

भरत कुमार जैन ने मुंबई से पढ़ाई की और बाद में वहीं के एक ड्रग्स डीलर के संपर्क में आकर कार्टेल में शामिल हो गया।

देश में पकड़ी गई अब तक सबसे बड़ी खेपें

2024: भारतीय मूल के एक जर्मन नागरिक को दिल्ली हवाई अड्डे पर पुलिन ने छह किलो कोकेन के साथ पकड़ा था। बरामद ड्रग्स की कीमत 100 करोड़ रुपये बताई गई थी

2024: डीआरआई ने कोच्चि हवाई अड्डे पर केन्याई नागरिक से 13 करोड़ रुपये की कोकेन जब्त की

2022: डीआरआई ने मुंद्रा के पास एक कंटेनर से 500 करोड़ रुपये से अधिक मूल्य की 56 किलो कोकेन बरामद की।

2022: मुंबई के पास एक बंदरगाह पर फल ले जा रहे एक कंटेनर से 502 करोड़ रुपये मूल्य की 50 किलो कोकेन जब्त की गई।

2021: तमिलनाडु के तूतीकोरिन बंदरगाह पर 2,000 करोड़ रुपये मूल्य की 300 किलो कोकेन जब्त की गई

जेके सीमेंट ने सफदरजंग अस्पताल में गुर्दे की देखभाल को बढ़ावा देने के लिए आधारशिला एनजीओ के साथ की साझेदारी

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, डॉ. वंदना तलवार एमएस ने वीएमएमसी और सफदरजंग अस्पताल में जेके सीमेंट लिमिटेड और आधारशिला के सहयोग से एक डायलिसिस सुविधा का उद्घाटन किया। जेके सीमेंट-कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल में तीन (3) उन्नत डायलिसिस मशीनों का योगदान और उपकरणों को संचालित करने के लिए (3) विशेष तकनीशियनों का प्रावधान शामिल है।

जेके सीमेंट लिमिटेड के संयुक्त प्रबंध निदेशक और सीईओ श्री माधव सिंघानिया ने उद्घाटन समारोह में बोलते हुए स्वास्थ्य सेवा की सुलभता के लिए कंपनी की प्रतिबद्धता पर जोर दिया: और कहा कीरजेके सीमेंट में, हम समाज को वापस देने में विश्वास करते हैं। इस पहल का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्तापूर्ण गुर्दे की देखभाल उन लोगों को उपलब्ध हो जिन्हें इसकी सबसे अधिक आवश्यकता है। उपकरण और प्रशिक्षित कर्मचारी दोनों प्रदान करके, हम न केवल मशीनें दान कर रहे हैं, बल्कि रोगी देखभाल के लिए उनका प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर रहे हैं।रु सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. प्रो. वंदना तलवार ने योगदान के लिए आभार व्यक्त किया: 'ये नई डायलिसिस मशीनें और समर्पित तकनीशियन गुर्दे की बीमारियों से पीड़ित रोगियों को महत्वपूर्ण देखभाल प्रदान करने की हमारी क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि करेंगे। जेके सीमेंट, आधारशिला एनजीओ और सफदरजंग अस्पताल के बीच यह साझेदारी सकारात्मक प्रभाव को दर्शाती है जिसे कॉर्पोरेट क्षेत्र और स्वास्थ्य सेवा संस्थानों द्वारा जन कल्याण के लिए मिलकर काम करने से प्राप्त किया जा सकता है।'

तीन डायलिसिस मशीनों और प्रशिक्षित तकनीशियनों के जुड़ने से:

गुर्दे की देखभाल प्रदान करने की अस्पताल की क्षमता में वृद्धि होगी

डायलिसिस उपचार के लिए प्रतीक्षा समय में कमी आएगी

उपकरणों का उचित रखरखाव और संचालन सुनिश्चित होगा

समग्र रोगी देखभाल गुणवत्ता में सुधार होगा

यह पहल सार्वजनिक अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का समर्थन करने और आम जनता के लिए गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा देखभाल को और अधिक सुलभ बनाने के लिए जेके सीमेंट की व्यापक सीएसआर रणनीति का हिस्सा है।

आधारशिला एनजीओ स्वास्थ्य सेवा की पहुंच में सुधार करने के लिए काम करता है और कॉर्पोरेट पहलों और सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा आवश्यकताओं के बीच की खाई को पाटने में सहायक रहा

सागरमाला परियोजना: भारतीय अर्थव्यवस्था में क्रांति लाने वाली पहल

डॉ. लॉजिस्टिक्स

भारत की अर्थव्यवस्था में नवीनीकरण और विकास के लिए उठाए गए कदमों में से एक महत्वपूर्ण पहल सागरमाला परियोजना है, जो देश के तटीय क्षेत्रों और बंदरगाहों को आधुनिकीकरण के नए आयामों तक पहुंचाने की दिशा में अग्रसर है। इस महत्वाकांक्षी योजना की शुरुआत 2015 में की गई थी, जिसका उद्देश्य समुद्री बुनियादी ढांचे को विश्वस्तरीय बनाना और लॉजिस्टिक्स लागत को कम करना है, जिससे भारत की आर्थिक वृद्धि में तेज़ी लाई जा सके।

आज जब वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धा की होड़ बढ़ रही है, तब सागरमाला परियोजना एक ऐसा साधन साबित हो रही है, जो देश के निर्यात और आयात व्यवसाय को नए पंख देने में सहायक हो रही है। इसके माध्यम से न केवल हमारे बंदरगाहों का आधुनिकीकरण हो रहा है, बल्कि देश के उद्योगों और व्यापारियों को भी नई संभावनाओं का रास्ता दिखाया जा रहा है।

सागरमाला परियोजना के प्रमुख बिंदु:

बंदरगाहों का आधुनिकीकरण: इस परियोजना के तहत देश के प्रमुख और मंझोले बंदरगाहों को अत्याधुनिक तकनीक से सुसज्जित किया जा रहा है। इससे लॉजिस्टिक्स प्रक्रियाओं की दक्षता बढ़ रही है और माल

ढुलाई में लगने वाला समय और लागत कम हो रही है।

तटीय औद्योगिक विकास: सागरमाला योजना के तहत तटीय क्षेत्रों में औद्योगिक क्लस्टरों और आर्थिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है, जिससे उद्योगों को तेजी से बढ़ावा मिल रहा है। इससे तटीय क्षेत्रों में रोजगार के अवसर भी बढ़ रहे हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को बल मिल रहा है।

बेहतर कनेक्टिविटी: बंदरगाहों को सड़कों, रेल और अंतर्देशीय जलमार्गों से जोड़कर लॉजिस्टिक्स की लागत को कम करने की दिशा में यह परियोजना क्रांतिकारी कदम उठा रही है। इससे व्यापार की प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और कम समय में पूर्ण हो रही है।

नीला आर्थिक विकास (Blue Economy): समुद्री संसाधनों का समुचित और सतत उपयोग इस परियोजना का एक प्रमुख लक्ष्य है। इसके अंतर्गत समुद्र और तटीय संसाधनों का सही उपयोग करके आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देने की योजना है।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए सागरमाला परियोजना का महत्व:

इस परियोजना के माध्यम से न केवल बंदरगाह-आधारित विकास को बल मिल रहा है, बल्कि यह लॉजिस्टिक्स लागत को कम करने और देश के औद्योगिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। बेहतर कनेक्टिविटी और आधुनिक ढांचागत विकास से भारतीय वस्त्र और उत्पाद विश्व बाजार में अधिक प्रतिस्पर्धी बन रहे हैं। इससे निर्यात में तेजी आ रही है और देश की आर्थिक प्रगति को भी गति मिल रही है।

सागरमाला परियोजना से तटीय क्षेत्रों में नए औद्योगिक क्लस्टर और आर्थिक क्षेत्रों का विकास हो रहा है, जो रोजगार के नए अवसरों का सृजन कर रहे हैं। यह परियोजना ग्रामीण और तटीय इलाकों में कृषि और मत्स्य पालन को भी बढ़ावा दे रही है, जिससे वहां की स्थानीय अर्थव्यवस्था में सकारात्मक बदलाव आ रहा है।

सागरमाला परियोजना भारत के लिए एक ऐतिहासिक कदम है, जो न केवल बंदरगाहों के आधुनिकीकरण और लॉजिस्टिक्स दक्षता को बढ़ा रही है, बल्कि देश को वैश्विक व्यापार के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की क्षमता भी रखती है। इस परियोजना के सफल क्रियान्वयन से भारत एक वैश्विक व्यापारिक केंद्र के रूप में स्थापित हो सकता है और देश की आर्थिक प्रगति को नई दिशा मिल सकती है।

डॉ. अंकुर शरण
लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन

आज शाम छह बजे से थम जाएगा प्रचार का शोर, शुरू होगा डोर-टू-डोर अभियान

परिवहन विशेष न्यूज

Haryana Vidhansabha Election 2024 हरियाणा चुनाव प्रचार का आज अंतिम दिन है। बुधवार शाम को प्रचार का पहिया थम जाएगा। इसके बाद डोर-टू-डोर अभियान शुरू होगा। बृहस्पतिवार शाम छह बजे से पांच अक्टूबर की शाम छह बजे तक शराब की बिक्री करने व पिलाने पर पूरी तरह से प्रतिबंध रहेगा। इस बार के चुनाव में खासकर भाजपा और कांग्रेस में स्टार प्रचारकों की झड़ी दिखाई दी।

गुरुग्राम। प्रदेश में बृहस्पतिवार शाम छह बजते ही चुनाव प्रचार का शोर थम जाएगा। इसके साथ ही शुरू होगा प्रत्याशियों एवं उनके समर्थकों का डोर-टू-डोर अभियान। स्टार प्रचारक क्षेत्र में कहीं दिखाई नहीं देंगे।

इस बारे में जिला प्रशासन ने सभी पार्टियों से लेकर प्रत्याशियों को निर्देश जारी कर दिया है। बृहस्पतिवार शाम छह बजे से लेकर पांच अक्टूबर की शाम छह बजे तक शराब के वितरण से लेकर पिलाने पर प्रतिबंध रहेगा। इस पर नजर रखने की जिम्मेदारी आबकारी एवं कराधान विभाग के साथ ही पुलिस को सौंपी गई है।

पहले होनी थी एक अक्टूबर को मतदान

इस बार चुनाव प्रचार अभियान लंबा चला। पहले एक अक्टूबर को ही मतदान होना था लेकिन तिथि आगे बढ़ाकर पांच अक्टूबर कर दी गई। इससे पार्टियों से लेकर प्रत्याशियों को प्रचार अभियान चलाने का समय काफी मिल गया। तीन अक्टूबर को छह बजे से पहले तक अधिकतर प्रत्याशियों ने 10 से 15 जगह प्रचार अभियान चलाने की प्लानिंग कर रखी है।

कांग्रेस नेता व राजस्थान के उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट सहित कई स्टार प्रचारक बृहस्पतिवार को भी शहर में होंगे। सभी स्टार प्रचारकों को हर हाल में छह बजे से पहले जिले से बाहर निकल जाना होगा। प्रचार की समय सीमा खत्म होने के बाद कोई भी स्टार प्रचारक जिले में न रहें।

इसके लिए जिला प्रशासन की टीमें बृहस्पतिवार शाम चार बजे ही सक्रिय हो जाएंगी। यदि छह बजे के बाद कहीं भी सभा जारी रही जो उसे रूकवा दिया जाएगा। छह बजे के बाद कहीं भी लाउडस्पीकर का शोर नहीं होगा।

इस बार जमकर चला स्टार वार

जिले में इस बार स्टार वार जमकर चला। खासकर भाजपा व कांग्रेस नेताओं के बीच आरोप-प्रत्यारोपों का दौरा खूब चला। अपनी पार्टी के प्रत्याशियों के प्रचार के लिए भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष व केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय भूतल सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

कार्यवाहक मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, पूर्व मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल, केंद्रीय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल, केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल आदि पहुंचे जबकि कांग्रेस की ओर से पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा, सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा, राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट।

महिला कांग्रेस की अध्यक्ष अलका लांबा, पूर्व सांसद व फिल्म अभिनेता राज बब्बर चुनाव प्रचार के लिए पहुंचे। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल एवं सांसद संजय सिंह ने अपने प्रत्याशियों के समर्थन में प्रचार किया। फिल्म अभिनेत्री जूही बब्बर सहित कई अभिनेताओं के भी आने से चुनावी माहौल में गर्माहट पैदा हुई।

नियमानुसार मतदान से 48 घंटे पहले चुनाव प्रचार-प्रसार बंद करने का प्रविधान है। इसका सख्ती से पालन किया जाएगा। सभी टीमों को अलर्ट मोड पर रहने को कहा गया है ताकि बृहस्पतिवार शाम छह बजते ही चुनाव प्रचार का शोर थम जाए।उल्लंघन करने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। बृहस्पतिवार शाम छह बजे से पांच अक्टूबर की शाम छह बजे तक शराब की दुकानें बंद रहेंगी ही, बार एवं रेस्टोरेंट में भी शराब नहीं पिलाई जाएगी। निशांत कुमार यादव, जिला निर्वाचन अधिकारी व उपायुक्त

श्रवण कुमार को बाण लगने का मंचन देख दर्शक हुए भावुक

साहिबाबाद। साहिबाबाद में इंदिरापुरम के न्याय खंड स्थित सेंट्रल पार्क में बुधवार से जय बद्री केदार रामलीला समिति द्वारा रामलीला मंचन किया गया। मंचन का शुभारंभ दीप प्रज्वलित व मंत्रोच्चारण के साथ गणेश पूजा से शुरू हुआ।

लीला मंचन में दिखाया गया कि पितृ भक्त श्रवण कुमार अपने अंधे माता-पिता को तीर्थाटन के लिए ले जाते हैं। रास्ते में प्यास लगने के कारण वह जल लेने जाते हैं। उसी समय राजा दशरथ भी शिकार के लिए गए होते हैं। श्रवण जब जलपात्र में जल भर रहे होते हैं तो दशरथ को लगता है कि कोई हिरण पानी पी रहा है। वे शब्द भेदी बाण चला देते हैं। इसके लगने से श्रवण की मृत्यु हो जाती है।

वहीं, दुखी होकर श्रवण के माता-पिता दशरथ को पुत्र वियोग में मरने का श्राप देते हैं। श्रवण को बाण लगने से पंडाल में मौजूद जनता की आंखें भर आती हैं। आगे दिखाया गया कि कैसे रावण, कुंभकरण व विभीषण के साथ ब्रह्मा की तपस्या करता है। इससे प्रसन्न होकर ब्रह्म उन्हें वर मांगने को कहते हैं तो रावण कहता है कि मुझे यह वर दीजिए कि मैं देव, दानव, किन्नर आदि को निर्भय हो कर जीत सकूं। ब्रह्मा वर देते हैं। इसके बाद अहंकार में चूर रावण देव ऋषि नारद के उकसाने पर शंभु सहित कैलाश पर्वत उठाने चला जाता है। भगवान शिव उसे दंड देते हैं अपने भुज बल के घमंड के कारण रावण ने नर व वानरों को जीतने का वर लेना आवश्यक नहीं समझा। इसीलिए रावण जैसे दानवों का वध करने के लिए भगवान श्री विष्णु ने नर के रूप में अवतार लिया। इस मौके पर अध्यक्ष बलदेव भंडारी, संरक्षिका मीना भंडारी, महासचिव जगपाल रावत, कोषाध्यक्ष मान सिंह रावत, उपाध्यक्ष एचएस बुटोला, दिलवर कठैत, सचिव जगदीश रावत, निर्देशक रघुवीर रावत आदि मौजूद रहे।

गणेश पूजन के साथ शुरू हुआ मंचन

बृज विहार की सांस्कृतिक कला संगम की रामलीला में उद्घाटन के बाद गणेश पूजन का आयोजन किया गया। इसके बाद मंचन शुरू हुआ। कलाकारों ने श्रवण कुमार लीला, जय-विजय, रावण तपस्या व कर वसूली का मंचन बड़े ही शानदार ढ़ंग से किया। इस दौरान खूब तालियां बजीं।

आज रामलीलाओं में ये मंचन होगा

न्याय खंड एक के शिवाजी पार्क में धरोहर सामाजिक समिति की रामलीला में बृहस्पतिवार को गणेश पूजा के बाद रावण तपस्या व राम जन्म का मंचन किया जाएगा। न्याय खंड एक की जय बद्री केदार रामलीला समिति द्वारा दशरथ सभा, श्रीराम व माता सीता का जन्म, गुरु विश्वामित्र दीक्षा, ताड़िका-सुबाहु वध व अहिल्या उद्धार का मंचन किया जाएगा। बृज विहार में श्री सांस्कृतिक कला संगम परिवार की रामलीला में राम-सीता जन्म, ताड़का के पुतले का दहन किया जाएगा।

हरियाणा में 3740 क्रिटिकल बूथ, DGP ने लिया प्रबंधों का जायजा; चुनाव में तैनात रहेंगे 30 हजार जवान

Haryana Election 2024 हरियाणा चुनाव को लेकर पुलिस प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। वहीं सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के लिए डीजीपी शत्रुजीत कपूर बुधवार को गुरुग्राम पहुंचे। इस दौरान डीजीपी ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने पुलिस अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में चुनाव के लिए 30 हजार पुलिसकर्मियों को तैनात किया जाएगा।

गुरुग्राम। Haryana Election 2024 विधानसभा चुनाव के लिए किए गए सुरक्षा प्रबंधों का जायजा लेने के लिए हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर बुधवार को गुरुग्राम जोन पहुंचे।

पुलिस आयुक्त कार्यालय में उन्होंने कहा कि प्रदेश में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष चुनाव हों, इसके लिए 225 केंद्रीय सुरक्षा बलों की कंपनियां तैनात की जाएंगी। नूंह में विशेष निगरानी रहेगी।

तैनात किए जाएंगे 30 हजार पुलिसकर्मी

डीजीपी ने कहा कि प्रदेश में पांच अक्टूबर को चुनाव होने हैं। इसके लिए समुचित सुरक्षा व्यवथा की गई है। आचार संहिता का पालन कराने के लिए सभी जिलों में पुलिस टीमें नाकों पर तैनात रहकर निरंतर चेकिंग अभियान चला रही हैं। चुनाव में सुरक्षा व्यवस्था के लिए 30 हजार पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे। 21 हजार होमगार्ड और 11 हजार स्पेशल पुलिसकर्मियों की सेवाएं भी ली जाएंगी।

पूरे प्रदेश में 218 नाके लगाए गए हैं। कार्रवाई के लिए 500 फ्लाइंग स्क्वायड टीमें लगी हुई हैं। आचार संहिता लगने के बाद से अब तक हरियाणा में 60 करोड़ से ज्यादा की नकदी और शराब जब्त की जा चुकी है। जबकि गुरुग्राम से करीब 10 करोड़ का अवैध सामान जब्त हो चुका है।

इसमें साढ़े सात करोड़ की नकदी और शराब शामिल है। यहां अब तक 39 अवैध पिस्टल पकड़े गए हैं। कई गैंगस्टर गिरफ्तार किए गए हैं। एक करोड़ 27 लाख रुपये की ड्रग्स पकड़ी गई है।

प्रदेश में 3740 क्रिटिकल बूथ

डीजीपी शत्रुजीत कपूर ने बताया कि लोकसभा में कहीं भी दोबारा चुनाव कराने की जरूरत नहीं पड़ी। इस बार भी लक्ष्य है कि कहीं भी दोबारा चुनाव की आवश्यकता न पड़े। प्रदेश में 3740 क्रिटिकल बूथ चिह्नित किए गए हैं। सभी जगहों पर पैरामिलिट्री और पुलिसकर्मी तैनात किए जाएंगे।

प्रदेश में हैं कुल 20629 बूथ

प्रदेश में 20629 कुल बूथ हैं। सभी पर सीसीटीवी लगाए जाएंगे। इसका कंट्रोल पुलिस-प्रशासनिक अधिकारियों के पास रहेगा। पिछले साल हुई हिंसा को देखते हुए नूंह में विशेष निगरानी रखी जाएगी। यहां 13 पैरामिलिट्री कंपनी तैनात की गई हैं। रिजर्व और हरियाणा पुलिस भी तैनात है। नूंह में कहीं भी कोई सांप्रदायिक व चुनाव से संबंधित हिंसा न हो। इसके लिए पूरा जोर है।

डीजीपी ने कहा कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में लोग वोटिंग करें। लोकतंत्र का त्योहार है। अच्छे उम्मीदवार को वोट दें। इस दौरान पुलिस आयुक्त विकास अरोड़ा भी उनके साथ मौजूद रहे।

अब फ्लैट खरीदारों को नहीं होगी ये टेंशन, प्राधिकरण उठाएगा बड़ी जिम्मेदारी; बिल्डर नहीं कर सकेंगे मनमानी

परिवहन विशेष न्यूज

YEIDA Flats Scheme ग्रेटर नोएडा में मकान खरीदने वालों को अब बिल्डरों की मनमानी नहीं झेलनी पड़ेगी। खरीदारों को समय पर घर का मालिकाना हक दिलाने में प्राधिकरण भी जिम्मेदारी उठाएगा। बताया गया कि बिल्डर के परियोजना पूरी न करने पर प्राधिकरण उसकी आवंटित संपत्ति को जब्त कर परियोजना को पूरा कराकर खरीदारों को घर पर कब्जा दिलाएगा। पढ़िए पूरा अपडेट।

ग्रेटर नोएडा। YEIDA बिल्डर परियोजना में खरीदार को घर पर समय से कब्जा दिलाने की जिम्मेदारी प्राधिकरण भी उठाएगा। 10 प्रतिशत पंजीकरण राशि के साथ एग्रीमेंट टू सेल के रूप में पांच प्रतिशत स्टांप ड्यूटी के भुगतान के साथ प्राधिकरण की जिम्मेदारी तय हो जाएगी।

YEIDA Flats Scheme बिल्डर के परियोजना पूरी न करने पर प्राधिकरण उसकी आवंटित संपत्ति को जब्त कर परियोजना को पूरा कराकर खरीदारों को घर पर कब्जा देगा। एग्रीमेंट टू सेल में बिल्डर के साथ घर खरीदार और प्राधिकरण तीनों के प्रतिनिधियों के हस्ताक्षर होंगे।

5% स्टांप शुल्क के साथ एग्रीमेंट टू सेल करना होगा

बिल्डर बायर विवाद को विराम देने के लिए यमुना प्राधिकरण ने नियम में बदलाव कर दिया है। 100 रुपये के स्टांप पेपर पर होने वाले बिल्डर बायर एग्रीमेंट की जगह पांच प्रतिशत स्टांप शुल्क के साथ एग्रीमेंट टू सेल करना होगा। इसमें बिल्डर, घर खरीदार और प्राधिकरण प्रतिनिधि के हस्ताक्षर होंगे।

इसके साथ ही खरीदारों को बिल्डर परियोजना मालिकाना हक मिल जाएगा। बिल्डर परियोजना में घर खरीदारों की जानकारी प्राधिकरण के पास मौजूद होगी। बिल्डर परियोजना में खरीदारों में कोई बदलाव नहीं कर पाएगा।

लगातार सामने आ रहे बिल्डर बायर विवाद

बिल्डर बायर विवाद लगातार सामने आ रहे हैं। परियोजना में बुकिंग कराने पर बिल्डर और खरीदार सौ रुपये के स्टांप पेपर में एग्रीमेंट कर लेते हैं। इसकी कानूनी वैधता न होने के कारण बिल्डर एग्रीमेंट की शर्तों को मानने से अक्सर मुकर जाता है।

संपत्ति की कीमत बढ़ने पर पहले की बुकिंग को निरस्त कर दूसरे खरीदार को बेच देता है। इसके अतिरिक्त एग्रीमेंट की शर्तों के मुताबिक खरीदार को सुविधाएं नहीं दी जाती हैं।

बिल्डर खरीदार और प्राधिकरण के बीच होगा एग्रीमेंट

इन विवादों के कारण प्राधिकरण, प्रशासन से लेकर पुलिस में लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। इसके स्थाई हल के लिए यमुना प्राधिकरण ने यह नियम लागू किया है। प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ. अरुणवीर सिंह का कहना है कि 10 प्रतिशत पंजीकरण राशि के साथ पांच प्रतिशत स्टांप ड्यटी देकर एग्रीमेंट टू सेल करना होगा। बिल्डर खरीदार और प्राधिकरण के बीच यह एग्रीमेंट होगा।

परियोजना में बुकिंग कराने वाले का मालिकाना हक हो जाएगा। प्राधिकरण बिल्डर परियोजना में बुकिंग व एग्रीमेंट की शर्त में कोई बदलाव नहीं कर पाएगा।

क्या बोले जिलाधिकारी

जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा का कहना है कि स्टांप शुल्क के साथ एग्रीमेंट टू सेल कराने से घर खरीदारों के हित सुरक्षित होंगे। बिल्डर परियोजना पूरी नहीं करेगा तो परियोजना की शेष जमीन को कुर्क कर लिया जाएगा। उसे बेचकर रकम जुटाई जाएगी, इस रकम से परियोजना को पूरा कराकर घर खरीदारों को कब्जा दिया जाएगा।

विश्व के वित्तीय एवं निवेश संस्थान भारत के आर्थिक विकास के अनुमानों को बढ़ा रहे हैं

प्रह्लाद सबनानी

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

आज जब विश्व में कई विकसित एवं विकासशील देशों की अर्थव्यवस्थाओं में विभिन्न प्रकार की आर्थिक समस्याएं दिखाई दे रही है, वैश्विक स्तर पर कई प्रकार की विपरीत परिस्थितियों के बीच भी भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बनी हुई है। कई विदेशी एवं निवेश संस्थान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि के सम्बंध में पूर्व में दिए गए अपने अनुमानों में संशोधन कर रहे हैं कि आगे आने वाले समय में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास की गति और अधिक तेज होगी।

विशेष रूप से कोरोना महामारी के पश्चात भारत ने आर्थिक विकास के क्षेत्र में तेज रफ्तार पकड़ ली है। भारत में आर्थिक क्षेत्र में सुधार कार्यक्रमों को लागू किया गया है। स्टैंडर्ड एवं पूअर (एसएंडपी) नामक विश्व विख्यात क्रेडिट रेटिंग संस्थान ने हाल ही में अपने एक प्रतिवेदन में बताया है कि भारत, केलेंडर वर्ष 2024 में एवं इसके बाद के वर्षों में 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर के साथ वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा तथा भारतीय अर्थव्यवस्था का वैश्विक अर्थव्यवस्था में योगदान वर्तमान के 3.6 प्रतिशत से बढ़कर 4.5 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच जाएगा। साथ ही, भारत में प्रति व्यक्ति आय भी बढ़कर उच्च मध्यम आय समूह की श्रेणी की हो जाएगी। भारत के सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी वर्तमान के 3.92 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर 7 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा। हालांकि एसएंडपी ने भारत में आर्थिक विकास दर के 6.7 प्रतिशत प्रतिवर्ष बढ़ने का अनुमान लगाया है जबकि वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत की आर्थिक विकास दर के 7.3 प्रतिशत के अनुमान के विरुद्द 8.2 प्रतिशत की रही है। भारत में अब सरकारी क्षेत्र के साथ ही निजी क्षेत्र भी पूंजीगत खर्चों को बढ़ाने पर ध्यान देता हुआ दिखाई दे रहा है, इससे आगे आने वाले समय में केंद्र सरकार पर पूंजीगत खर्चों में वृद्धि करने सम्बंधी दबाव कम होगा और केंद्र सरकार का बजटीय घाटा और अधिक तेजी से कम होगा, जिससे अंततः विदेशी निवेशक भारत में अपना निवेश बढ़ाने के लिए आकर्षित होंगे।

इसी प्रकार, विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी वर्ष 2024, 2025 एवं 2026 में भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी अपने अनुमानों के बढ़ाया है। विश्व बैंक का तो यह भी कहना है कि भारत ने केलेंडर वर्ष 2023 में विश्व के वार्षिक आर्थिक विकास में 16 प्रतिशत का योगदान दिया है और इस प्रकार भारत अब विश्व में आर्थिक विकास के इंजिन के रूप में कार्य करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने वर्ष 2023 में 7.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी, जो विश्व की अन्य उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं द्वारा इसी अवधि में हासिल की गई विकास दर से दुगुनी थी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भारत की आर्थिक विकास दर के वर्ष 2024 के अपने पूर्व अनुमान 6.7 प्रतिशत की विकास दर को बढ़ा कर 7 प्रतिशत कर दिया है।

ओईसीडी देशों के समूह ने भी वर्ष 2024 एवं 2025 में वैश्विक स्तर पर आर्थिक प्रगति के अनुमान जारी किए हैं। इन अनुमानों के अनुसार, वैश्विक स्तर पर वर्ष 2024 एवं 2025 में सकल घरेलू उत्पाद में 3.2 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की जा सकेगी। वहीं भारत की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 के 6.7 प्रतिशत से बढ़कर वर्ष 2025 में 6.8 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। चीन की आर्थिक विकास दर वर्ष 2024 में 4.9 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में 4.5 रहने की सम्भावना है। इसी प्रकार रूस एवं अमेरिका की आर्थिक विकास दर भी वर्ष 2024 में क्रमशः 3.7 प्रतिशत एवं 2.6 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2025 में क्रमशः 1.1 प्रतिशत एवं 1.6 प्रतिशत रहने की सम्भावना व्यक्त की गई है। कुल मिलाकर आज विश्व के लगभग समस्त वित्तीय एवं निवेश संस्थान आगे आने वाले वर्षों में भारत की आर्थिक विकास दर के बढ़ने के अनुमान लगा रहे हैं।

वैश्विक स्तर पर वित्तीय संस्थानों द्वारा भारत के आर्थिक विकास दर के सम्बंध में लगाए जा रहे अनुमानों के अनुसार यदि भारत आगे आने वाले वर्षों में प्रतिवर्ष 6.7 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल करता है तो भारत वर्ष 2031 तक विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। इसके ठीक विपरीत भारत ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में 8.2 प्रतिशत की आर्थिक विकास दर हासिल की थी एवं भारतीय रिजर्व बैंक के अनुमान के अनुसार भारत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 7 प्रतिशत से अधिक की आर्थिक विकास दर हासिल करेगा, इस प्रकार तो भारत वर्ष 2031 के पूर्व ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा। दूसरे, विश्व में भारत से आगे जापान एवं जर्मनी की अर्थव्यवस्थाएं हैं, आज इन दोनों देशों की अर्थव्यवस्थाओं में कई प्रकार की समस्याएं दिखाई दे रही हैं जिनके चलते इन देशों की आर्थिक विकास दर आगे आने वाले कुछ वर्षों में शून्य रहने की सम्भावना दिखाई दे रही है। इस प्रकार, बहुत सम्भव है कि भारत मार्च 2025 तक जापान की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा एवं मार्च 2026 अथवा मार्च 2027 तक जर्मनी की अर्थव्यवस्था को पीछे छोड़ देगा और भारत को विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए वर्ष 2031 तक इंतजार ही नहीं करना पड़ेगा।

विश्व बैंक द्वारा जारी वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने भी वित्तीय वर्ष 2025 में भारत को विश्व में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बने रहने के संकेत दिए हैं। पिछले तीन वर्षों में पहली बार वैश्विक अर्थव्यवस्था वर्ष 2024 में स्थिर होने के संकेत दे रही है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि दर के वर्ष 2024-25 में 2.6 प्रतिशत एवं वर्ष 2025-26 में 2.7 प्रतिशत रहने की सम्भावना विश्व बैंक द्वारा की गई है। इसी प्रकार, मुद्रा स्फीति में भी धीरे धीरे कमी आने के संकेत मिल रहे हैं एवं यह वैश्विक स्तर पर औसतन 3.5 प्रतिशत रहने की सम्भावना है। मुद्रास्फीति उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति को कम करती है एवं उनके व्यय करने की क्षमता को भी हत्तोत्साहित करती है। कई देशों को मुद्रा स्फीति को नियंत्रित करने के लिए ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ता है। उच्च ब्याज दरें मुद्रास्फीति को नियंत्रित तो करती हैं परंतु आर्थिक प्रगति को धीमा भी कर देती है जिससे रोजगार के अवसरों में कमी भी दृष्टिगोचर होती है।

उक्त वर्णित वैश्विक आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 के अनुसार दक्षिण एशिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था भारत ने क्षेत्रीय विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। औद्योगिक एवं सेवा क्षेत्रों के योगदान से वित्तीय वर्ष 2023-24 में भारत ने 8.2 प्रतिशत की अतुलनीय आर्थिक विकास दर हासिल की है, यह आर्थिक विकास दर देश में मानसून व्यवधानों के कारण कृषि क्षेत्र के उत्पादन वृद्धि में आई कमी के बावजूद हासिल की गई है। साथ ही, भारत में व्यापक कर आधार से राजस्व में वृद्धि के चलते सकल घरेलू उत्पाद के सापेक्ष राजकोषीय घाटे में कमी हासिल की जा सकी है। विशेष रूप से भारत में व्यापार घाटा भी कम होता दिखाई दे रहा है, जिससे दक्षिण एशियाई क्षेत्र में समग्र आर्थिक स्थिरता लाने में योगदान मिला है।

जलवायु परिवर्तन के कारण भी विश्व के कई देशों में बाढ़, सूखा एवं तूफान जैसी प्राकृतिक आपदाओं की बारंबारता और प्रबलता बढ़ती दिखाई दे रही है। इस तरह की आपदाएं बुनियादी ढांचे, निवास स्थानों एवं व्यवसाओं को व्यापक क्षति पहुंचा रही हैं। साथ ही, यह कृषि उत्पादन को भी बाधित कर रही है, जिससे खाद्यान के उत्पादन में कमी एवं इनकी कीमतों में वृद्धि होती दिखाई दे रही है। इससे सरकारी वित्त व्यवस्था पर भी अतिरिक्त भार पड़ रहा है।

विश्व बैंक की आर्थिक सम्भावना रिपोर्ट 2024 ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के बारे में तार्किक आशावादी दृष्टिकोण प्रस्तुत किया है। वर्ष 2024 में वैश्विक अर्थव्यवस्था में स्थिरता के संकेत जरूर दिए हैं परंतु कोविड महामारी से पहले के विकास के स्तरों की तुलना में वैश्विक स्तर पर विकास अभी भी धीमा बना हुआ है। वैश्विक स्तर पर मौजूदा चुनौतियों से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर प्रभावी उपाय करने होंगे। यहां भारत की "वसुधैव कुटुम्बकम" एवं "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय" जैसी भावनाओं के साथ, वैश्विक स्तर पर आर्थिक विकास के लिए, यदि सभी देश मिलकर आगे बढ़ते हैं तो भारत के साथ साथ पूरे विश्व में भी खुशहाली लाई जा सकती है।

– :सौजन्य :–
ईवी ड्राइव द फ्यूचर
EV
Drive the Future

ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी ने श्रीराम फाइनेंस के साथ की साझेदारी

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रीव्स कॉटन लिमिटेड के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवीज़न ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्राइवेट लिमिटेड ने श्रीराम ग्रुप की वित्तीय सेवा कंपनी श्रीराम फाइनेंस के साथ साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी का उद्देश्य डाउन पेमेंट विकल्पों और लचीली ईएमआई योजनाओं सहित अनुकूलित वित्तपोषण विकल्पों की पेशकश करके ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के तिपहिया वाहनों की पहुँच बढ़ाना है।

श्रीराम फाइनेंस का अखिल भारतीय नेटवर्क यात्री और कार्गो दोनों क्षेत्रों में अंतिम मील की गतिशीलता का समर्थन करने में भूमिका निभाएगा। यह साझेदारी ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के अपने 3 व्हीलर उत्पाद रेंज के माध्यम से इलेक्ट्रिक वाहन अपनाने का विस्तार करने के लक्ष्य के अनुरूप है, जिसमें ग्रीव्स 3 व्हीलर्स, एल्ट्रा सिटी और एल्ट्रा कार्गो शामिल हैं, जो देश भर के उपभोक्ताओं के लिए है।

इस समझौते पर ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के कार्यकारी निदेशक और सीईओ के विजय कुमार, श्रीराम फाइनेंस के संयुक्त प्रबंध निदेशक चंद्रशेखर आर और श्रीराम फाइनेंस के सहायक उपाध्यक्ष गोपीनाथ टीए की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए।

के विजय कुमार ने बताया कि भारत में अंतिम मील की गतिशीलता के लिए 3-पहिया वाहनों को अपनाने को बढ़ाने के लिए सुलभ वित्तपोषण आवश्यक है, जिससे अलग-अलग बजट वाले ग्राहक टिकाऊ गतिशीलता विकल्पों पर विचार कर सकें। उन्होंने कहा कि इस तरह की साझेदारी कई डाउन पेमेंट विकल्प और आकर्षक ईएमआई योजनाएं प्रदान करती हैं, जो भारत को इलेक्ट्रिक वाहनों का केंद्र बनाने के व्यापक लक्ष्य का समर्थन करती हैं और साथ ही ड्राइवरों की आजीविका को भी लाभ पहुंचाती हैं।

श्रीराम फाइनेंस के सहायक उपाध्यक्ष गोपीनाथ टीए ने बताया कि दोनों कंपनियों के बीच इस सहयोग का उद्देश्य विभिन्न ईंधन प्रकारों पर अंतिम मील तक यात्री और माल परिवहन के लिए गतिशीलता तक पहुंच को बढ़ाना है।

यह साझेदारी भारत भर में तिपहिया वाहन गतिशीलता समाधानों की उपलब्धता और सामर्थ्य का विस्तार करने के ग्रीव्स इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के प्रयासों में एक कदम का प्रतिनिधित्व करती है।

आईईएसए नई दिल्ली में लिथियम-आयन बैटरी पर अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन करेगा आयोजित

परिवहन विशेष न्यूज

IESA
India Energy Storage Alliance

इंडिया एनर्जी स्टोरेज अलायंस (IESA) 4 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली में इंडिया इंटरनेशनल सेंटर (IIC) में लिथियम-आयन बैटरी पर एक अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन आयोजित करने जा रहा है। इस शिखर सम्मेलन में 300 से अधिक कंपनियाँ भारत में लिथियम-आयन बैटरी उद्योग की वर्तमान स्थिति और भविष्य की संभावनाओं पर चर्चा करने के लिए एक साथ आएंगी, जिसमें विनिर्माण, पुनर्चक्रण, इलेक्ट्रिक वाहन अनुप्रयोग और ऊर्जा भंडारण जैसे विषय शामिल होंगे। इसका उद्देश्य भारत के बढ़ते लिथियम-आयन बैटरी क्षेत्र में चुनौतियों और अवसरों को संबोधित करना है।

इस शिखर सम्मेलन में भारी उद्योग मंत्रालय, खान मंत्रालय, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय और भारतीय सौर ऊर्जा निगम (एसईसीआई) सहित सरकारी संस्थाओं की भागीदारी होगी। अमारा राजा, एक्साइड एनर्जी, रिलायंस, टाटा एग्रेटास, जेएसडब्ल्यू एनर्जी और ओला इलेक्ट्रिक जैसी संभावित गीगा फैक्ट्रियों के प्रतिनिधियों के मौजूद रहने की उम्मीद है।

लिथियम-आयन बैटरियों के प्रमुख आयातकों में से एक के रूप में, भारत उन्नत ऊर्जा भंडारण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। वित्त वर्ष 2023 में, देश ने चीन, दक्षिण कोरिया, वियतनाम और जापान जैसे देशों से 3.59 बिलियन डॉलर मूल्य की लिथियम-आयन बैटरियाँ आयात कीं। वर्तमान में भारत में 100 से अधिक लिथियम बैटरी पैक निर्माण कंपनियाँ काम कर रही हैं, जो इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी), पावर इलेक्ट्रॉनिक्स और स्थिर भंडारण जैसे क्षेत्रों में काम कर रही हैं।

अनुमान है कि 2032 तक भारत में लिथियम बैटरी की कुल मांग 600-900 गीगावॉट प्रति घंटा होगी। इस मांग को पूरा करने के लिए, देश अलग-अलग अनुप्रयोगों, तापमान और पर्यावरणीय परिस्थितियों के अनुरूप सुरक्षा मानक विकसित कर रहा है। लिथियम-आयन बैटरी का उपयोग दूरसंचार और ईवी तक फैला हुआ है, और कई कंपनियों ने पहले ही भारत में रीसाइक्लिंग सुविधाएं स्थापित कर ली हैं। विभिन्न राष्ट्रीय प्रयोगशालाएँ और स्टार्टअप भी लिथियम-सल्फर और सॉलिड-स्टेट बैटरी सहित उन्नत लिथियम तकनीक विकसित करने पर काम कर रहे हैं। इन अवसरों को देखते हुए, यह अनुमान लगाया गया है कि भारतीय उद्योग को अगले पाँच वर्षों में निवेश को पाँच गुना बढ़ाने की आवश्यकता होगी।

आईईएसए के अध्यक्ष देबी प्रसाद दाश ने भारत के स्वच्छ ऊर्जा लक्ष्यों का समर्थन करने में लिथियम-आयन बैटरी उद्योग के महत्व की सराहना की। उन्होंने कहा कि शिखर सम्मेलन भारतीय और वैश्विक हितधारकों दोनों को सहयोग करने और नवाचार और विकास के अवसरों का पता लगाने के लिए एक मंच प्रदान करेगा। श्री दाश ने यह भी उल्लेख किया कि इस कार्यक्रम में 300 से अधिक उद्योग के नेता भाग लेंगे, जो अनुसंधान और विकास, विनिर्माण, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, कच्चे माल, स्थिर ऊर्जा भंडारण, इलेक्ट्रिक मोबिलिटी, रीसाइक्लिंग और सेकंड-लाइफ अनुप्रयोगों जैसे विषयों की एक विस्तृत श्रृंखला को कवर करेंगे।

शिखर सम्मेलन का उद्देश्य उद्योग के हितधारकों, नीति निर्माताओं और विशेषज्ञों को कई प्रमुख विषयों पर चर्चा करने का अवसर प्रदान करना है, जिसमें भारत की गीगा फैक्ट्रियों की स्थिति, महत्वपूर्ण खनिजों का विकास, पुनर्चक्रण प्रौद्योगिकियां, तथा ग्रिड और नवीकरणीय ऊर्जा भंडारण, विद्युत गतिशीलता और उभरते अनुप्रयोगों में लिथियम-आयन बैटरियों का भविष्य शामिल है।

इसके अतिरिक्त, यह कार्यक्रम उत्पादन-लिंक्ड प्रोत्साहन (पीएलआई) और गैर-पीएलआई योजनाओं के तहत भारतीय गीगा कारखानों की प्रगति, लिथियम, कैथोड, एनोड और इलेक्ट्रोलाइट विनिर्माण के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण खनिजों के परिदृश्य, साथ ही लिथियम-आयन बैटरी के लिए सुरक्षा, प्रमाणन और परीक्षण आवश्यकताओं पर ध्यान केंद्रित करेगा। विभिन्न देशों के उद्योग विशेषज्ञ लिथियम बैटरी रीसाइक्लिंग, सेकंड-लाइफ अनुप्रयोगों, बिजली ग्रिड और वाणिज्यिक क्षेत्रों के लिए लिथियम-आयन-आधारित बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस), और सॉलिड-स्टेट और लिथियम-सल्फर (ली-एस) बैटरी प्रौद्योगिकियों में हाल के विकास पर अंतर्दृष्टि साझा करेंगे।

ईवी बाजार की 'बादशाह' ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी घटी, सितंबर में बिक्री घटी, टीवीएस और बजाज के स्कूटर खत्म कर रहे हैं ओला इलेक्ट्रिक के बाजार की बादशाहत

परिवहन विशेष न्यूज

देश की दिग्गज इलेक्ट्रिक स्कूटर निर्माता ओला इलेक्ट्रिक ने सितंबर में इस साल की सबसे कम मासिक बिक्री दर्ज की है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कंपनी ने सितंबर में 23,965 वाहन बेचे जो पिछले महीने की तुलना में लगातार दूसरे महीने की गिरावट है। लगातार जुलाई से कंपनी की सेल्स में गिरावट ही दर्ज की जा रही है। ओला की मासिक बिक्री में यह गिरावट उसके बाजार हिस्सेदारी को भी प्रभावित कर रही है। अप्रैल महीने में बाजार में कंपनी की हिस्सेदारी 50% थी, लेकिन सितंबर में यह आकड़ा घटकर 27% पर सीमित हो गई।

ओला की गिरती बिक्री के बीच टीवीएस मोटर और बजाज ऑटो जैसे प्रतिद्वंद्वी कंपनियों ने अपनी बाजार हिस्सेदारी में लगातार बढ़त दर्ज की है। टीवीएस और बजाज ने पिछले कुछ महीनों में अपने नए मॉडल लॉन्च कर ओला को कड़ी टक्कर दी है, जिनकी कीमतें ओला के स्कूटरों के करीब हैं।

ओला ने अक्सर बाजार की तुलना में कम कीमतों पर अपने ई-स्कूटर बेचे हैं। अब इसके स्कूटर्स की बिक्री में गिरावट कंपनी के वित्तीय परिणामों के लिए एक चुनौती साबित हो रही है। कंपनी अब तक मुनाफा नहीं कमा सकी है।

विशेषज्ञों का मानना है कि ओला के सर्विसिंग नेटवर्क में आ रही समस्याएं भी इसकी बिक्री में गिरावट का सबसे बड़ा कारण हैं। कई जगहों पर ओला स्कूटरों के खराब सर्विसिंग के मामले सामने आए हैं जिससे ग्राहक असंतुष्ट हो रहे हैं। यह भी कंपनी की साख को नुकसान पहुंचा रही है।

टीवीएस और बजाज ने अपने डीलरशिप नेटवर्क में भी विस्तार कर ओला को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। बजाज ने अपने चेतक ई-स्कूटर के लिए डीलरशिप की संख्या को 100 से बढ़ाकर 500 कर दी है, जबकि ओला की डीलरशिप नेटवर्क 750 से बढ़कर केवल 800 हुई है।

ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में शेयर बाजार में कदम रखा, लेकिन इसकी गिरती बिक्री और कमजोर सर्विसिंग नेटवर्क ने कंपनी की बाजार हिस्सेदारी और वित्तीय स्थिति को चुनौती दी है। विश्लेषकों का मानना है कि ओला को अपनी सर्विसिंग में सुधार करना होगा, ताकि वह अपनी बाजार हिस्सेदारी को बनाए रख सके।

पुरानी ग्रामीण सेवा अब हो जाएगी इलेक्ट्रिक, खुल गई दिल्ली के पालम-डाबरी रोड पर इलेक्ट्रिक वाहन डीलरशिप

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली सरकार ने ग्रामीण फटफट सेवा को इलेक्ट्रिक में बदलने की मंजूरी दी, जिससे ग्रामीण वाहन चालकों में खुशी की लहर दौड़ गई। अब चालकों को दिल्ली ग्रामीण ई-सेवा वाहनों को खरीदने हेतु उन्हें अधिकृत वितरक ओम्ब्रे इलेक्ट्रिक व्हीकल पालम-डाबरी रोड में ठुकराल इलेक्ट्रिक बाइक्स के वाहनों को देखने का मौका मिल रहा है।

ओम्ब्रे इलेक्ट्रिक व्हीकल के डीलरशिप पर आये और इलेक्ट्रिक व्हीकल का टेस्ट ड्राइव लें, स्वच्छ परिवहन को बढ़ावा देने के लिए ठुकराल ई-ऑटो को चुनें। इससे प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिलेगी और दिल्ली के लोगों के लिए यात्रा का अनुभव बेहतर और सुगम होगा।

ग्रामीण सेवा वाहन का मालिक जो एक नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदना चाहता है, उसे पहले ऑनलाइन आवेदन करने के साथ चालकों को निम्न प्रक्रिया से गुजरना होगा।

नो ड्यूज सर्टिफिकेटः एक बार आवेदन जमा हो जाने के बाद पंजीकरण प्राधिकारी सात दिनों के भीतर नो ड्यूज सर्टिफिकेट (एनडीसी) जारी करेंगे। परिवहन विभाग यह सुनिश्चित करेगा कि वाहन के साथ कोई कर, जुर्माना या कानूनी समस्या न हो और यह राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) डेटाबेस पर स्पष्ट हो। यदि कोई समस्या पाई जाती है, तो मालिक को सूचित किया जाएगा और उन्हें सात दिनों के भीतर हल करना होगा।

पुराने वाहन को स्क्रैप करनाः एनडीसी प्राप्त करने के बाद वाहन को 15 दिनों के भीतर अधिकृत स्क्रैपिंग सुविधा में ले जाना होगा। वाहन स्क्रैप होने पर मालिक को जमा प्रमाणपत्र (सीओडी) मिलेगा।

नया इलेक्ट्रिक वाहन खरीदनाः एनडीसी और सीओडी के साथ, वाहन मालिक किसी भी अधिकृत डीलर से एक नया इलेक्ट्रिक ग्रामीण सेवा वाहन खरीद सकते हैं।

नए वाहन का पंजीकरणः नया वाहन खरीदने के बाद मालिक को उसके पंजीकरण के लिए आवेदन करना होगा। यह प्रक्रिया भी फेसलेस है और इसमें वाहन निर्माता से एनडीसी, सीओडी, आधार, टैक्स चालान और अन्य दस्तावेजों की आवश्यकता होगी।

परमिट नवीनीकरणः पंजीकरण प्राधिकारी सभी विवरणों को सत्यापित करेंगे और ग्रामीण सेवा योजना के तहत वाहन के पंजीकरण को अपडेट करेंगे। नए वाहन को पुराने वाहन के समान मार्ग का ही परमिट मिलेगा।

पहली छमाही में चलने के बाद सितंबर में ईवी की हालत हो गई खराब

परिवहन विशेष न्यूज

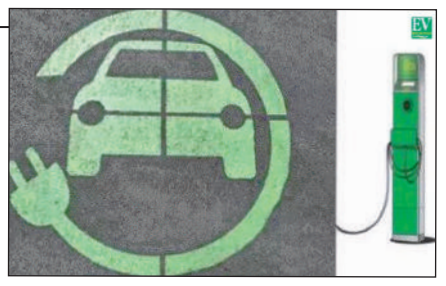

वित्त वर्ष 2025 की पहली छमाही में इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री 19 प्रतिशत बढ़कर 8,36,621 वाहन हो गई, जबकि वित्त वर्ष 2024 की पहली छमाही में यह 7,02,013 वाहन थी। मासिक आधार पर वृद्धि धीमी रही और अगस्त में 1,46,745 वाहनों की तुलना में मात्र 1.22 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

उपभोक्ता आमतौर पर श्राद्ध/पितृ पक्ष के दौरान वाहन, घर या संपत्ति खरीदने से बचते हैं, क्योंकि इस अवधि के दौरान महंगी चीजें खरीदना हिंदू परंपरा में अशुभ माना जाता है। वाहन निर्माताओं की ओर से भारी छूट और अन्य ऑफर के कारण बिक्री में मामूली वृद्धि हुई है।

उद्योग के अधिकारियों को उम्मीद है कि अक्टूबर में बिक्री में सुधार होगा, क्योंकि 03 अक्टूबर से त्योहारी सीजन शुरू हो रहा है। उन्हें इस अवधि के दौरान 10 से 15 प्रतिशत की वृद्धि की उम्मीद है।

सितंबर महीने में दोपहिया ईवी की बिक्री में देखी गई गिरावट, ओला इलेक्ट्रिक की बाजार हिस्सेदारी घटी, बजाज ने टीवीएस को पीछे छोड़ा

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के पंजीकरण में एक और बदलाव देखने को मिल रहा है, क्योंकि बजाज ऑटो के ई-स्कूटर की बिक्री सितंबर में सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गई, जिसने टीवीएस मोटर को पीछे छोड़ दिया और ओला इलेक्ट्रिक के पंजीकरण के करीब पहुंच गई।

01 अक्टूबर तक के वाहन डेटा के अनुसार, बजाज ऑटो ने पिछले महीने 18,933 इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकरण दर्ज किए, जो इस साल अगस्त में 16,650 इकाइयों से बढ़े हैं। साल-दर-साल (YoY) आधार पर, इस दिग्गज ऑटोमोटिव कंपनी ने बजाज चेतक की बिक्री में 166% की बढ़ोतरी देखी

कुल मिलाकर, इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों का पंजीकरण अगस्त में 87,257 इकाई से 1% बढ़कर सितंबर में 88,156 इकाई हो गया। पिछले महीने सालाना आधार पर पंजीकरण में 37% से अधिक की वृद्धि हुई।

हाल ही में सूचीबद्ध इलेक्ट्रिक मोबिलिटी स्टार्टअप ओला इलेक्ट्रिक ने पिछले महीने भी अपना शीर्ष स्थान बनाए रखा, लेकिन इसके ई-स्कूटर पंजीकरण महीने-दर-महीने (MoM) 11% घटकर 23,965 इकाई रह गए। यह पिछले साल अक्टूबर के बाद से कंपनी की सबसे कम मासिक वाहन बिक्री भी थी, जब पंजीकरण 23,594 इकाई था।

भाविश अग्रवाल के नेतृत्व वाले स्टार्टअप ने इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में अपनी हिस्सेदारी में भी गिरावट देखी। अगस्त में 30% से थोड़ी अधिक बाजार हिस्सेदारी से ईवी स्टार्टअप की हिस्सेदारी सितंबर में 27% तक गिर गई।

इस समस्या को हल करने के लिए ओला इलेक्ट्रिक ने हाल ही में सेवा से संबंधित समस्याओं के "एक दिन के समाधान" की पेशकश करने के लिए "हाइपरसर्विस" लॉन्च किया है। यह ध्यान देने योग्य है कि कंपनी को सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म पर बिक्री के बाद की सेवा के बारे में ग्राहकों की कई शिकायतों का सामना करना पड़ रहा है।

इसके बावजूद ब्रोकरेज फर्म बर्नस्टीन का मानना है कि ओला इलेक्ट्रिक EBITDA लाभप्रदता हासिल करने की राह पर है। इसने हाल ही में यह भी कहा कि ओला इलेक्ट्रिक का सकल मार्जिन अपने प्रतिस्पर्धियों के बीच सबसे अधिक है।

टीवीएस मोटर बजाज से पीछे रह गई, लेकिन सितंबर में इसके ई-स्कूटर रजिस्ट्रेशन में 2% मासिक वृद्धि हुई और यह 17,865 यूनिट हो गया। इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर मार्केट में इस दिग्गज मोटरसाइकिल निर्माता की हिस्सेदारी भी मामूली रूप से बढ़कर 20% से थोड़ी अधिक हो गई।

सार्वजनिक बाजार में अपनी शुरुआत से पहले, एथर एनर्जी भी अपनी ईवी बिक्री और बाजार हिस्सेदारी में वृद्धि देख रही है। ई-स्कूटर की बिक्री में समग्र मंदी के बावजूद, एथर के वाहन पंजीकरण सितंबर में 15% से अधिक बढ़कर 12,579 इकाई हो गए, जो पिछले महीने 10,919 इकाई थे।

एथर की वाहन बिक्री में भी वर्ष दर वर्ष आधार पर 75% से अधिक की वृद्धि देखी गई, जबकि इसकी बाजार हिस्सेदारी अगस्त के 12% के मुकाबले सितंबर में बढ़कर 14% से अधिक हो गई।

एथर में एक प्रमुख शेयरधारक, पुरानी ऑटोमोटिव कंपनी हीरो मोटोकॉर्प को इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर बाजार में दबाव का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि साल की शुरुआत की तुलना में इसकी ईवी बिक्री में तेजी से वृद्धि हुई है, लेकिन हीरो मोटोकॉर्प के इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर पंजीकरण पिछले महीने 9% मासिक से अधिक घटकर 4,174 इकाई रह गए।

अगस्त में इसकी ईवी पंजीकरण 4,596 इकाई रही, जबकि जुलाई में यह 4,945 इकाई थी।

रिवर और अल्ट्रावायलेट सहित कुछ नए इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर स्टार्टअप धीमी लेकिन स्थिर वृद्धि देख रहे हैं। रिवर के ईवी पंजीकरण सितंबर में 7% मासिक वृद्धि के साथ 297 इकाई हो गए, जबकि अल्ट्रावायलेट के इलेक्ट्रिक मोटरसाइकिल पंजीकरण अगस्त में 47 इकाई से बढ़कर महीने के दौरान 51 इकाई हो गए।

यह ध्यान देने योग्य है कि सरकार द्वारा फेम योजना के तहत मांग सब्सिडी कम करने के कारण इस साल दोपहिया ईवी की बिक्री में काफी उतार-चढ़ाव आया। जबकि उद्योग केंद्र की फेम योजना के तीसरे संस्करण का इंतजार कर रहा था, कैबिनेट ने सितंबर में एक नई योजना को मंजूरी दे दी- 'पीएम इलेक्ट्रिक ड्राइव रिवोल्यूशन इन इनोवेटिव व्हीकल एन्हांसमेंट (पीएम ई-ड्राइव) योजना'।

नई योजना में ईवी अपनाने को समर्थन देने के लिए दो साल की अवधि के लिए 10,900 करोड़ रुपये का प्रारंभिक परिव्यय है। इस योजना का लक्ष्य अन्य वाहन श्रेणियों के साथ-साथ 24.79 लाख इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों (ई2डब्ल्यू) को समर्थन देना है। केंद्र की पिछली सब्सिडी योजना फेम-II का लक्ष्य 10 लाख दोपहिया ईवी को समर्थन देना था।

कुल मिलाकर देश में सभी वाहन श्रेणियों में कुल ईवी पंजीकरण पिछले महीने 1.66 लाख इकाई रहा, जो अगस्त में 1.65 लाख इकाई से अधिक है। त्योहारी सीजन के चलते ईवी निर्माता आने वाले महीनों में बिक्री में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं।

EV Expo Vehicle Registration Trends Of Top Electric Two-Wheeler OEMs

Company	July	August	September	MoM Change (%)
AMPERE By GREAVES	43	101	45	-55.45
ATHER	10,157	10,919	12,579	15.20
BAJAJ	17,665	16,650	18,933	13.71
HERO ELECTRIC The smart move	278	190	157	-17.37
Hero	4,945	4,596	4,174	-9.18
LECTRIX	357	241	291	20.75
OKINAWA	359	201	146	-27.36
OLA ELECTRIC	40,814	26,928	23,965	-11.00
PURE	357	260	260	0.00
REVOLT	804	677	624	-7.83
River	222	277	297	7.22
TVS	19,444	17,442	17,865	2.43
Total	95445	78482	79336	1.09

Note: Data as on Oct 1, 2024
Source: Vahan Dashboard
TRUMP

भारतीय छात्र विदेश में मेडिकल अध्ययन कार्यक्रम क्यों चुन रहे हैं?

विजय गर्ग

भारत में निजी मेडिकल कॉलेज अक्सर अत्यधिक फीस वसूलते हैं, जिससे कई छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा अप्रभावी हो जाती है। इसके अलावा, विदेशों में सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की उपलब्धता, वैश्विक प्रदर्शन और उन्नत नैदानिक प्रशिक्षण के अवसरों के साथ मिलकर, कई छात्रों को अंतरराष्ट्रीय विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है। कई देश लोकप्रिय गंतव्य हैं, जो कम ट्यूशन फीस, सरलीकृत प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री प्रदान करते हैं।

सीमित भारतीय मेडिकल स्कूल सीटों के कारण, विदेश में अध्ययन करना इच्छुक डॉक्टरों के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। भारत में मेडिकल सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा के कारण विदेश में मेडिकल डिग्री हासिल करने वाले भारतीय छात्र आगे बढ़ रहे हैं सीमित भारतीय मेडिकल स्कूल सीटों के कारण, विदेश में अध्ययन करना इच्छुक डॉक्टरों के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। हाल के वर्षों में भारतीय छात्रों द्वारा विदेश में मेडिकल डिग्री हासिल करने के रुझान में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। इस प्रवृत्ति के प्राथमिक चालकों में से एक भारत में मेडिकल सीटों के लिए तीव्र प्रतिस्पर्धा है। 2024 में, भारत के 706 मेडिकल कॉलेजों में लगभग 1,08,915 उपलब्ध एमबीबीएस सीटों के लिए प्रतिस्पर्धा करते हुए, 24 लाख (2.4 मिलियन) से अधिक छात्र NEET परीक्षा में शामिल हुए। इसमें सरकारी कॉलेजों में लगभग 55,000 सीटें और निजी संस्थानों में 53,915 सीटें शामिल हैं। कनाडा अध्ययन परमिट अनुमोदन में 2024 में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिलेगीः रिपोर्ट प्रतिस्पर्धा का यह उच्च स्तर कई इच्छुक डॉक्टरों के पास सीमित विकल्प छोड़ देता है, खासकर उन लोगों के लिए जो सरकारी संस्थानों में सीटें सुरक्षित करने में असमर्थ हैं, जहां लागत अपेक्षाकृत सस्ती है। भारत में निजी मेडिकल कॉलेज अक्सर अत्यधिक फीस वसूलते हैं, जिससे कई छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा अप्रभावी हो जाती है। इसके अलावा, विदेशों में सस्ती और उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा की उपलब्धता, वैश्विक प्रदर्शन और उन्नत नैदानिक प्रशिक्षण के अवसरों के साथ मिलकर, कई छात्रों को अंतरराष्ट्रीय विकल्प तलाशने के लिए प्रेरित किया है। कई देश लोकप्रिय गंतव्य हैं, जो कम ट्यूशन फीस, सरलीकृत प्रवेश प्रक्रिया और मान्यता प्राप्त डिग्री प्रदान करते हैं। इन कारणों से, कई छात्र अब भारत के बाहर चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करके अंतर को पाट रहे हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे अभी भी डॉक्टर बनने के अपने सपने को पूरा कर सकते हैं। कई भारतीय छात्र प्रमुख लाभों के कारण विदेश में मेडिकल डिग्री का विकल्प चुन रहे हैं। पहला, गुयाना जैसे देशों में पढ़ाई भारत के निजी चिकित्सा संस्थानों की तुलना में कहीं अधिक किफायती हो सकती है। उदाहरण के लिए, इन देशों में ट्यूशन फीस पूरे पाठ्यक्रम के लिए काफी सस्ती है, जो निजी भारतीय कॉलेजों की लागत से काफी कम है, जो 1 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है।

इसके अतिरिक्त, गुयाना में विश्वविद्यालयों द्वारा अमेरिकी मानकों के अनुरूप पाठ्यक्रम का संरेखण छात्रों के लिए गंतव्य को अधिक लाभप्रद बनाता है। इसके अलावा, इन देशों में चिकित्सा कार्यक्रम विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त हैं। गुयाना में कुछ विश्वविद्यालयों को एसीसीएम और सीएएएम-एचपी जैसे अंतरराष्ट्रीय चिकित्सा निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है, जो छात्रों को विदेशी मेडिकल ग्रेजुएट परीक्षा (एफएमजीई) जैसी आवश्यक परीक्षाओं को पास करने के बाद अभ्यास करने के लिए भारत लौटने की अनुमति देता है। विदेश में चिकित्सा कार्यक्रमों के लाभ विदेशों में चिकित्सा कार्यक्रम भारतीय छात्रों के लिए कई लाभ प्रदान करते हैं। एक व्यापक पाठ्यक्रम यह सुनिश्चित करता है कि छात्रों को एक सर्वांगीण शिक्षा प्राप्त हो जो वैश्विक मानकों के अनुरूप हो। कई अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूल व्यावहारिक ज्ञान को बढ़ाते हुए व्यापक नैदानिक प्रदर्शन प्रदान करते हैं। इसके अतिरिक्त, ये संस्थान अक्सर सिमुलेशन लैब और आधुनिक शिक्षण विधियों जैसी उन्नत शिक्षण सुविधाएं प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों के माध्यम से सीखने की अनुमति मिलती है। विदेशों में कार्यक्रम आमतौर पर प्रमुख चिकित्सा परिषदों द्वारा मान्यता प्राप्त होते हैं, जिससे वैश्विक मान्यता सुनिश्चित होती है और स्नातकों के लिए विभिन्न देशों में चिकित्सा का अभ्यास करना आसान हो जाता है। इसके अलावा, लचीली प्रवेश आवश्यकताएं अत्यधिक प्रतिस्पर्धी भारतीय प्रणाली की तुलना में एक आसान मार्ग प्रदान करती हैं, जिससे छात्रों को बिना अपने मेडिकल सपनों को पूरा करने की अनुमति मिलती हैसीमित सीटों और उच्च लागत का तनाव। अंतर्राष्ट्रीय चिकित्सा कार्यक्रम, जैसे प्री-मेडिकल और एमबीबीएस कार्यक्रम, विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रम के साथ प्रारंभिक तैयारी प्रदान करते हैं। ये कार्यक्रम छात्रों को सिद्धांत और व्यवहार दोनों में मजबूत आधार के साथ विश्व स्तरीय शिक्षा प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, गुयाना और अमेरिका के शीर्ष अस्पतालों में क्लिनिकल रोटेशन छात्रों को दुनिया भर के प्रमुख अस्पतालों में व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने की अनुमति देता है, जिससे उन्हें वास्तविक दुनिया के चिकित्सा परिदृश्यों का व्यावहारिक अनुभव मिलता है। छात्र स्नातकोत्तर विकल्पों और मार्गों का भी पता लगा सकते हैं, जो उन्नत अध्ययन और विशेषज्ञता के द्वार खोलते हैं जो कैरियर की संभावनाओं को व्यापक बनाते हैं, जिससे उन्हें वैश्विक चिकित्सा पेशेवर बनने में मदद मिलती है। अंतर पाटनाः भारतीय छात्रों के लिए चिकित्सा शिक्षा का भविष्य भारत में चिकित्सा पेशेवरों की कमी को दूर करने में विदेश से मेडिकल डिग्री हासिल करना महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारतीय मेडिकल स्कूलों में सीमित सीटों और स्वास्थ्य कर्मियों की बढ़ती मांग के साथ, विदेश में अध्ययन करना इच्छुक डॉक्टरों के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है। कई छात्र अपनी डिग्री पूरी करने के बाद भारत लौटते हैं, और वंचित क्षेत्रों में कमी को पूरा करके स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में योगदान देते हैं। इसके अतिरिक्त, वे वैश्विक चिकित्सा पद्धतियों और नवाचारों को वापस लाते हैं, स्वास्थ्य सेवा वितरण को बढ़ाते हैं। जो लोग वैश्विक अवसरों को चुनते हैं वे विशिष्ट करियर अपना सकते हैं और विश्वव्यापी चिकित्सा समुदाय में योगदान कर सकते हैं। निष्कर्ष भविष्य के स्वास्थ्य देखभाल पेशेवरों को आकार देने वाले सुलभ, उच्च गुणवत्ता वाले अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों के कारण भारतीय छात्रों द्वारा विदेश में मेडिकल शिक्षा चुनने का रुझान लगातार बढ़ रहा है। ये कार्यक्रम व्यावहारिक अनुभव, वैश्विक प्रदर्शन और मान्यता प्राप्त योग्यताएं प्रदान करते हैं। छात्रों को अपने अवसरों और करियर के विकास को अधिकतम करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मेडिकल स्कूल चुनते समय सोच-समझकर निर्णय लेना चाहिए।

सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

संपादकीय

निष्क्रियता की कीमत

मानव स्वास्थ्य और पर्यावरण के बीच महत्वपूर्ण संबंध। यह इस बात पर अधिक ध्यान देने की मांग करता है कि जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और अस्थिर प्रथाओं के कारण पर्यावरणीय गिरावट सीधे तौर पर सार्वजनिक स्वास्थ्य को कैसे प्रभावित करती है।

आँकड़े एक गंभीर तस्वीर पेश करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, सालाना 12.6 मिलियन से अधिक मौतें पर्यावरणीय मुद्दों के कारण होती हैं। श्वसन संबंधी बीमारियाँ, कैंसर और जलजनित संक्रमण सहित 100 से अधिक बीमारियाँ पर्यावरणीय क्षरण से जुड़ी हैं। इसका असर गरीबों पर असमान रूप से पड़ता है, जो अक्सर सबसे प्रदूषित क्षेत्रों में रहते हैं और उनके पास स्वास्थ्य देखभाल के बुनियादी ढांचे तक पहुंच नहीं है। यह असमानता कमजोर समुदायों की रक्षा करने में प्रणालीगत विफलता को रेखांकित करती है।

वायु प्रदूषण सबसे गंभीर पर्यावरणीय खतरों में से एक है। भारत जैसे देशों में शहरी क्षेत्रों को अनियंत्रित औद्योगिक उत्सर्जन, वाहन प्रदूषण और निर्माण गतिविधियों के कारण गंभीर वायु गुणवत्ता संकट का सामना करना पड़ता है। ये बड़े पैमाने पर श्वसन और हृदय संबंधी बीमारियों में योगदान करते हैं। ग्रामीण इलाके भी अछूते नहीं हैं. कई घरों में, खाना पकाने के लिए बायोमास जलाने से लाखों लोग घर के अंदर वायु प्रदूषण का शिकार हो रहे हैं, जिससे रोकी जा सकने वाली मौतें हो रही हैं। स्वच्छ ऊर्जा विकल्पों के सरकारी वादों के बावजूद, परिवर्तन धीमा और अपर्याप्त है।

जल प्रदूषण, एक और गंभीर मुद्दा है, जो शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों को परेशान करता है। दूषित जल स्रोत और खराब स्वच्छता के कारण हैजा, दस्त और पेचिश जैसी बीमारियाँ फैलती हैं। विभिन्न ₹स्वच्छ भारत₹ अभियानों के बावजूद, देश जलजनित बीमारियों से जूझ रहा है। औद्योगिक रसायनों और कीटनाशकों सहित खतरनाक कचरे का अनुचित निपटान, मिट्टी और पानी को भी प्रदूषित करता है, जिससे बच्चों में कैंसर और विकासात्मक विकारों जैसे दीर्घकालिक स्वास्थ्य प्रभाव पड़ते हैं।

त्रासदी इस तथ्य में निहित है कि जो लोग पर्यावरणीय क्षति के लिए सबसे कम ज़िम्मेदार हैं - हाशिए पर रहने वाले समुदाय - वे ही सबसे अधिक पीड़ित हैं। जबकि वैश्विक नीतियों का लक्ष्य पर्यावरणीय स्वास्थ्य को संबोधित करना है, वे अक्सर स्थानीय स्तर पर सार्थक परिवर्तन लाने में विफल रहती हैं। कमजोर प्रशासन, कॉर्पोरेट लापरवाही और जवाबदेही की कमी पारिस्थितिकी तंत्र के विनाश को बढ़ावा दे रही है, जो बदले में सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयासों को कमजोर करती है।

पर्यावरण संरक्षण में तत्काल सुधार महत्वपूर्ण हैं। सरकारों को औद्योगिक नियमों को सख्ती से लागू करना चाहिए और उन निगमों पर जुर्माना लगाना चाहिए जो सार्वजनिक स्वास्थ्य पर मुनाफे को प्राथमिकता देते हैं। विशेषकर उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में साफ पानी, सुरक्षित स्वच्छता और बेहतर वायु गुणवत्ता तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए सार्वजनिक बुनियादी ढांचे को उन्नत करने की आवश्यकता है।

पर्यावरणीय न्याय मानव स्वास्थ्य से अविभाज्य है। निष्क्रियता की कीमत - बढ़ती बीमारियाँ, मौतें और विस्थापन - प्राकृतिक संसाधनों के दोहन से होने वाले किसी भी अल्पकालिक आर्थिक लाभ से कहीं अधिक होगी।

विजय गर्ग

भारत की शिक्षा प्रणाली को बुनियादी ढांचे से अधिक सीखने को प्राथमिकता देनी चाहिए

विजय गर्ग

स्कूल छात्रों से भरे होने के बावजूद, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता जैसे बुनियादी कौशल पिछड़ रहे हैं स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद से, भारत ने शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रगति की है, विशेष रूप से बुनियादी ढांचे और स्कूलों तक पहुंच के विस्तार के मामले में। कक्षाएँ अब जीवन के सभी क्षेत्रों के बच्चों को समायोजित करती हैं, और सरकारी पहल लाखों छात्रों को शिक्षा प्रणाली में लाने में सफल रही है। हालाँकि, इन उपलब्धियों के बावजूद, एक महत्वपूर्ण घटक - सीखने की गुणवत्ता - उपेक्षित है। बुनियादी ढांचा भले ही फल-फूल रहा हो, लेकिन छात्रों को भविष्य की सफलता के लिए जिन मूलभूत कौशलों की आवश्यकता होती है, वे अक्सर पीछे रह जाते हैं। इसे समझने के लिए, एक ऐसे किसान की कल्पना करें जो मेहनत से अच्छी जुताई वाली मिट्टी में बीज बोता है, लेकिन फसल अपर्याप्त पाता है क्योंकि बीज मिट्टी के लिए उपयुक्त नहीं थे। उसी तरह, बुनियादी ढांचे में भारत की शैक्षिक प्रगति सराहनीय है, लेकिन छात्रों के मूलभूत कौशल - शिक्षा के बीज - अभी भी उतने मजबूत परिणाम नहीं दे रहे हैं जिनकी हम उम्मीद करते हैं। साल-दर-साल, वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट (एएसईआर) और राष्ट्रीय उपलब्धि सर्वेक्षण (एनएएस) जैसे सर्वेक्षण एक चौंकाने वाली वास्तविकता को उजागर करते हैंः छात्रों का एक बड़ा हिस्सा बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता जैसे आवश्यक कौशल के साथ संघर्ष करता है। ये शिक्षा के निर्माण खंड हैं, जिनके बिना संपूर्ण भवन अस्थिर रहता है। छात्र स्कूल में वर्षों बिता रहे हैं, लेकिन कई लोग अपेक्षित स्तर पर नहीं सीख रहे हैं। स्कूली शिक्षा और वास्तविक शिक्षा के बीच चिंताजनक अंतर प्रणाली में एक महत्वपूर्ण दोष की ओर इशारा करता है। यदि मूलभूत कौशलों को शुरू से ही विकसित नहीं किया गया, तो शैक्षिक प्रगति के लाभ भी किसानों की खराब फसल की तरह ही अस्पष्ट बने रहेंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की

शुरूआत आशा की एक नई भावना लेकर आती है। यह परिवर्तनकारी परिवर्तन और एक ऐसी प्रणाली की ओर बदलाव का वादा करता है जो न केवल शिक्षा तक पहुंच बल्कि सीखने की गुणवत्ता को भी महत्व देती है। मूलभूत और स्कूली शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा के साथ, एनईपी 2020 अच्छी तरह से डिजाइन किए गए मूल्यांकन के माध्यम से शैक्षिक प्रगति को मापने और तदनुसार हस्तक्षेप करने की आवश्यकता पर जोर देता है। लक्ष्य स्पष्ट हैः शिक्षार्थियों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना जो न केवल ज्ञान से सुसज्जित हो बल्कि आधुनिक दुनिया में आगे बढ़ने के लिए आवश्यक महत्वपूर्ण सोच कौशल से भी सुसज्जित हो। अनुसंधान लगातार दिखाता है कि आकलन शिक्षा को बेहतर बनाने में परिवर्तनकारी भूमिका निभाते हैं। उनका प्राथमिक लक्ष्य छात्रों या स्कूलों को रैंक करना नहीं है, बल्कि यह जानकारी प्रदान करना है कि शिक्षार्थी अपनी शैक्षिक यात्रा में कहां खड़े हैं। व्यक्तिगत, स्कूल और सिस्टम स्तर पर छात्र क्या जानते हैं और क्या कर सकते हैं, इसकी पहचान करके, मूल्यांकन शिक्षकों को लक्षित हस्तक्षेप विकसित करने के लिए एक रोडमैप प्रदान करता है जो विशिष्ट सीखने के अंतराल को संबोधित कर सकता है। सीखने में बदलाव की तलाश में, एएसईआर और एनएएस जैसे बड़े पैमाने पर मूल्यांकन महत्वपूर्ण होंगे। एएसईआर, एक घरेलू-आधारित सर्वेक्षण, बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मक कौशल में अंतर्दृष्टि प्रदान करता है, जबकि एनएएस छात्रों की पाठ्यचर्या परिणामों की उपलब्धि का व्यापक दृष्टिकोण प्रदान करता है। हाल ही में, शैक्षिक प्रगति में राज्य-स्तरीय अंतर्दृष्टि प्रदान करने के लिए एनसीईआरटी द्वारा राज्य शैक्षिक उपलब्धि सर्वेक्षण (एसईएएस) आयोजित किया गया था। केवल छात्रों के प्रदर्शन पर रिपोर्ट कार्ड तैयार करना पर्याप्त नहीं है। डेटा का उपयोग नीतिगत निर्णयों को सूचित करने और सीखने के परिणामों में सुधार लाने के उद्देश्य से विशिष्ट हस्तक्षेपों को लागू करने के लिए किया जाना चाहिए। यदि नहीं, तो छात्रों को इसका सामना करना पड़ता रहेगासाल-दर-साल चुनौतियाँ, थोड़े सुधार के साथ। शैक्षिक असमानताओं को दूर करने के लिए बड़े पैमाने पर मूल्यांकन को एक बड़ी रणनीति में पहले कदम के रूप में देखा जाना चाहिए। जबकि एनएएस शिक्षा प्रणाली का एक व्यापक अवलोकन प्रदान करता है, राज्य-स्तरीय मूल्यांकन सर्वेक्षण (एसएएस) में स्कूल स्तर पर विशिष्ट मुद्दों पर ज़ूम करने की क्षमता है। एनईपी 2020 इन सर्वेक्षणों के महत्व को पहचानता है और सिफारिश करता है कि प्रत्येक राज्य निरंतर सुधार लाने के लिए अपना स्वयं का जनगणना-आधारित मूल्यांकन करे। स्थानीय संदर्भों पर ध्यान केंद्रित करके, एसएएस अधिक लक्षित हस्तक्षेपों को सक्षम करते हुए, अलग-अलग राज्यों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है। हालाँकि, एसएएस की प्रभावशीलता इस बात पर निर्भर करती है कि राज्य अपने उद्देश्यों को कितनी अच्छी तरह परिभाषित करते हैं। एसएएस को वास्तव में प्रभावशाली बनाने के लिए, राज्यों को अपने मूल्यांकन ढांचे को स्पष्ट उद्देश्यों के साथ संरेखित करने की आवश्यकता है। एक अच्छी तरह से डिज़ाइन किए गए मूल्यांकन में राज्य स्तर पर शैक्षिक प्रणाली की जरूरतों पर विचार किया जाना चाहिए, और एकत्र किए गए डेटा का उपयोग स्कूलों को रैंकिंग देने के बजाय उन्हें समर्थन देने और सुधारने के लिए किया जाना चाहिए। भारत के राज्यों को यह सुनिश्चित करना होगा कि शिक्षा प्रणाली में सभी हितधारकों-शिक्षकों, स्कूल प्रशासकों और जिला-स्तरीय शिक्षकों-को डेटा उपयोग और विश्लेषण में प्रशिक्षित किया जाए। आगे का रास्ता चुनौतीपूर्ण है, लेकिन जनगणना-आधारित राज्य मूल्यांकन का वादा परिवर्तनकारी है। छात्रों की प्रगति की निगरानी और डेटा-संचालित अंतर्दृष्टि प्रदान करके, एसएएस भारत के शैक्षिक परिदृश्य को नया आकार दे सकता है। एनएएस जैसे राष्ट्रीय स्तर के आकलन के साथ संयुक्त होने पर, एसएएस में अधिक उत्तरदायी, न्यायसंगत शिक्षा प्रणाली बनाने की शक्ति होती है। रणनीतिक दृष्टिकोण और मजबूत शासन के साथ, भारत यह सुनिश्चित कर सकता है कि प्रत्येक छात्र को आगे बढ़ने का अवसर मिले।

संयुक्त राष्ट्र में भारत का पलड़ा

कोरोना महामारी के दौर में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मनवतावादी केंद्रीय भूमिका दिखनी चाहिए थी, लेकिन वह महामारी फैलाने वाले दोषी देश चीन के समर्थन में खड़ा नजर आया। अलबत्ता सुरक्षा परिषद की भूमिका वैश्विक संगठन होने की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जाती है'

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत की दावेदारी का समर्थन किया है। साथ ही संयुक्त राष्ट्र निकाय के विस्तार की वकालत की है। मैक्रों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में कहा कि फ्रांस सुरक्षा परिषद के विस्तार के पक्ष में है। जर्मनी, जापान, भारत और ब्राजील को परिषद का स्थायी सदस्य होना चाहिए। साथ ही दो ऐसे देश भी होने चाहिए, जिन्हें अफ्रीका प्रतिनिधित्व के लिए अनुशंसा करे। दूसरी तरफ पाकिस्तान से दोस्ती और भारत विरोधी रुख के लिए चर्चित तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान को झटका दिया है। उन्होंने गाजा युद्ध को लेकर जमकर हमला बोला, लेकिन इस बार कश्मीर का जिक्र तक नहीं किया। साल 2019 के बाद पहली बार ऐसा हुआ है, जब एर्दोगान ने संयुक्त राष्ट्र में कश्मीर के मुद्दे पर किनारा किया है। इससे पहले उन्होंने साल 2020, 2021, 2022 और 2023 में कश्मीर मुद्दे को संयुक्त राष्ट्र में उठाया था। इससे लगता है कि भारत की स्थायी सदस्यता के लिए सहमति बढ़ रही है। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वैश्विक प्रभाव और सफल कूटनीति के परिप्रेक्ष्य में देखा जाना चाहिए। भारत के संयुक्त राष्ट्र में भारी होते पलड़े के संदर्भ में विदेश नीति के विशेषज्ञों का मानना है कि तुर्किये ब्रिक्स का सदस्य देश बनना चाहता है। इस हेतु उसे भारत की मदद जरूरी है। यदि भारत असहमति जता देता है तो उसे सदस्यता मिलना मुश्किल है। ब्रिक्स में इस वक्त ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका शामिल हैं। भारत इसमें प्रमुख सदस्यों में से एक है।

इस बीच खबर यह भी है कि तुर्किये को नाटो देशों के समूह से बाहर निकाला जा सकता है। इसलिए तुर्किये ब्रिक्स देशों की सदस्यता चाहता है। एर्दोगान ने कहा भी है कि 'हम ब्रिक्स देशों के साथ अपने संबंध बेहतर करना चाहते हैं। ब्रिक्स के देश दुनिया की उभरती आर्थिक शक्ति हैं। इसलिए हम उनके साथ संबंध मजबूत और विश्वसनीय बनाने के पक्षधर है।' एर्दोगान ने यह झटका तब दिया है, जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पूरी तैयारी कर रखी थी कि महासभा में कश्मीर में हो रहे चुनाव का मुद्दा उठाया जाए और इस चुनाव प्रक्रिया को अलोकतांत्रिक बताया जाए। परंतु दुनिया की सबसे बड़ी तीसरी अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे भारत का डंका विश्व की प्रत्येक लोकतांत्रिक और मानवाधिकार हितों की पैरवी करने वाली संस्थाओं में बजता दिख रहा है। इस परिप्रेक्ष्य में भारत की दलील है कि 1945 में स्थापित 15 देशों की सुरक्षा परिषद 21वीं सदी की लक्ष्यपूर्तियों के लिए पर्याप्त नहीं है। इसमें समकालीन भूराजनीतिक वास्तविकताओं का प्रतिबिंब दिखाई नहीं दे रहा है। वर्तमान में सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य और 10 अस्थायी सदस्य देश शामिल हैं, जिन्हें संयुक्त राष्ट्र महासभा के द्वारा दो साल के कार्यकाल के लिए चुना जाता है। परंतु पांच स्थायी सदस्य रूस, ब्रिटेन, चीन, फ्रांस और अमेरिका हैं, इनमें से प्रत्येक देश के पास ऐसी शक्ति है, जो किसी भी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर वीटो लगा सकता है। भारत 2021-22 में संयुक्त राष्ट्र की उच्च परिषद में अस्थायी सदस्य के रूप में चुना गया था। किंतु दुनिया का जो वर्तमान परिदृश्य है, उससे निपटने के लिए स्थायी सदस्यों की संख्या दुनिया का हित साधने के लिए बढ़ाई जानी चाहिए। इसीलिए मैक्रों को कहना पड़ा कि 'सुरक्षा परिषद के कामकाज के तरीकों में बदलाव, सामूहिक अपराधों के मामलों में वीटो के अधिकार को सीमित करने और शांति बनाए रखने के लिए जरूरी फैसलों पर ध्यान देने की जरूरत है। अतएव जमीन पर बेहतर और बेहिचक तरीके से काम करने की दृष्टि से दक्षता हासिल करने का समय आ गया है।' मैक्रों की यह टिप्पणी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा बीते रविवार 22 सितंबर 2024 को 'भविश्य के शिखर सम्मेलन' को संबोधित करने के कुछ दिन बाद आई है, इसमें मोदी ने इस बात पर जोर दिया था कि वैश्विक शांति और विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में सुधार आवश्यक है।

उन्होंने कहा था कि सुधार प्रासंगिकता की कुंजी है। वाकई इस समय संस्थाएं अपनी प्रासंगिकता खोती दिखाई दे रही हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव

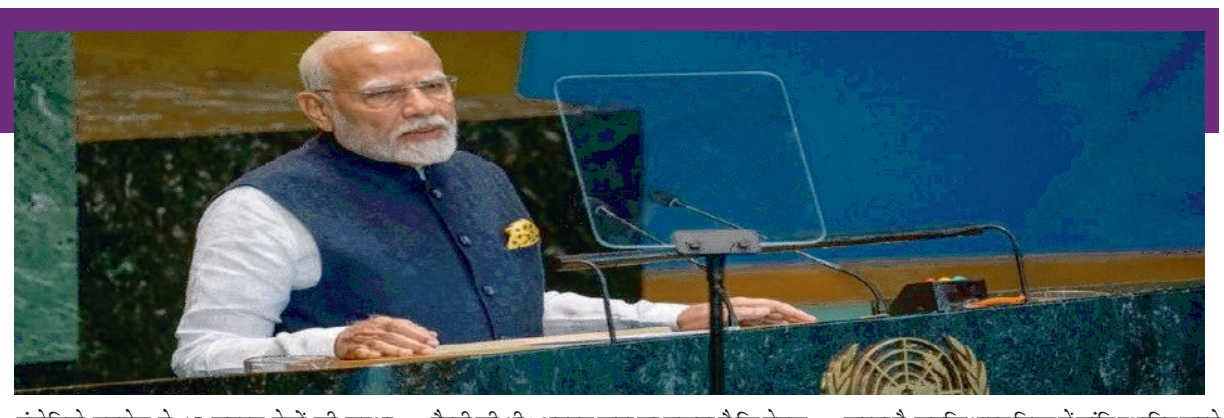

एंतोनियो गुतारेस ने 15 सदस्य देशों की सुरक्षा परिषद को भी पुरानी व्यवस्था का हिस्सा बताकर आलोचना की। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अगर इसकी संरचना और कार्य प्रणाली में सुधार नहीं होता है तो इस संस्था से दुनिया का भरोसा उठ जाएगा। दूसरे विश्व युद्ध के बाद शांतिप्रिय देशों के संगठन के रूप में संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का गठन हुआ था। इसका अहम मकसद भविष्य की पीढियों को युद्ध की विभीषिका और आतंकवाद से सुरक्षित रखना था। इसके सदस्य देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, रूस और चीन को स्थायी सदस्यता प्राप्त है। याद रहे चीन जवाहरलाल नेहरू की अनुकंपा से सुरक्षा परिषद का सदस्य बना था। कांग्रेस नेता और संयुक्त राष्ट्र में अवर महासचिव रहे शशि थरूर की किताब 'नेहरूः दि इन्वेंशन ऑफ इंडिया'-में थरूर ने लिखा है कि 1953 के आसपास भारत को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्य बनने का प्रस्ताव मिला था। लेकिन उन्होंने चीन को दे दिया। थरूर ने लिखा है कि भारतीय राजनयिकों ने वह फाइल देखी थी, जिस पर नेहरू के इंकार का जिक्र है। नेहरू ने ताइवान के बाद इस सदस्यता को चीन को दे देने की पैरवी की थी। अतएव कहा जा सकता है कि नेहरू की भयंकर भूल और उदारता का नुकसान भारत आज तक उठा रहा है। जबकि उस समय अमेरिका भारत के पक्ष में था। भारत का दो बार पाकिस्तान और एक बार चीन से युद्ध हो चुका है। इराक और अफगानिस्तान, अमेरिका और रूस के जबरन दखल के चलते युद्ध की ऐसी विभीषिका के शिकार हुए कि आज तक उबर नहीं पाए हैं। तालिबान की आमद के बाद अफगानिस्तान में किस बेरहमी से विरोधियों और स्त्रियों को दंडित किया जा रहा है, यह किसी से छिपा नहीं रह गया है। इजराइल और फिलीस्तान और रूस एवं यूक्रेन के बीच युद्ध एक नहीं टूटने वाली कड़ी बन गए हैं। अनेक इस्लामिक देश गृह कलह से जूझ रहे हैं। उत्तर कोरिया और पाकिस्तान बेखौफ परमाणु युद्ध की धमकी देते रहते हैं। दुनिया में फैल चुके इस्लामिक आतंकवाद पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। साम्राज्यवादी नीतियों के क्रियान्वयन में लगा चीन किसी वैश्विक पंचायत के आदेश को नहीं मानता। इसका उदाहरण अजहर जैसे आतंकियों को अंतरराष्ट्रीय आतंकी घोषित करने पर चीन का बार-बार वीटो का इस्तेमाल करना है, जबकि भारत विश्व में शांति स्थापित करने के अभियानों में मुख्य भूमिका निर्वाह करता रहा है।

बावजूद, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी आबादी एवं सामुदायिक बहुलता वाला देश सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य नहीं है। भारत में दुनिया की 18 फीसदी आबादी रहती है। दुनिया का हर छठा व्यक्ति भारतीय है। साफ है, संयुक्त राष्ट्र की कार्य संस्कृति निष्पक्ष नहीं है। कोरोना महामारी के दौर में विश्व स्वास्थ्य संगठन की मनवतावादी केंद्रीय भूमिका दिखनी चाहिए थी, लेकिन वह महामारी फैलाने वाले दोषी देश चीन के समर्थन में खड़ा नजर आया। अलबत्ता सुरक्षा परिषद की भूमिका वैश्विक संगठन होने की दृष्टि से इसलिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि उसके एजेंडे में प्रतिबंध लागू करने और संघर्ष की स्थिति में सैनिक कार्रवाई की अनुमति देने के अधिकार शामिल हैं। इस नाते उसकी मूल कार्य पद्धति में शक्ति संतुलन बनाए रखने की भावना अंतनिर्हित है। लेकिन वह इन प्रतिबद्धताओं को नजरअंदाज कर रहा है, गोया संस्था के प्रति विश्वास का संकट गहराया हुआ है। नतीजतन इसमें सुधार की जरूरत महसूस की जा रही है।

स्टेट बैंक आफ इंडिया की नई सेविंग स्कीम, RD और SIP का मिलेगा फायदा

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय स्टेट बैंक (SBI) द्वारा इन्वेस्टमेंट के लिए कई स्कीम चलाई जा रही है। लोगों के बीच बैंक की एफडी स्कीम काफी पॉपुलर है। अब बैंक निवेश के लिए नया प्रोडक्ट लाने की प्लानिंग कर रही है। इस नए प्रोडक्ट की जानकारी एसबीआई के चेयरपर्सन ने दी है। इस स्कीम में कस्टमर को आरडी और एसआईपी का फायदा मिलेगा।

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक भारतीय स्टेट बैंक (SBI) निवेश के लिए कई स्कीम चला रही है। अब बैंक इन्वेस्टमेंट के लिए नया प्रोडक्ट लाने की तैयारी कर रही है। इस इन्वेस्टमेंट प्रोडक्ट में निवेशक को रिकरिंग डिपॉजिट (RD) और एसआईपी (SIP) दोनों का लाभ मिलेगा।

एसबीआई की इस प्रोडक्ट की जानकारी बैंक के चेयरमैन सी एस शेट्टी ने दी है। उन्होंने बताया कि बैंक निवेश के लिए इनोवेटिव प्रोडक्ट लाने की प्लानिंग कर रही है। यह प्रोडक्ट देश की अर्थव्यवस्था की प्रगति के साथ ही कस्टमर को फाइनेंशियल तौर पर जागरूक करने के लिए बनाया जाएगा।

आज भले ही लोग निवेश की महत्वता को समझते हुए एसेट अलोकेशन की तरफ रुख कर रहे हैं। इसके बावजूद निवेशक रिस्क वाले एसेट में सबकुछ लगाना पसंद नहीं करते हैं। वह अगर रिस्क एसेट में निवेश करते हैं तो सिक्योर इन्वेस्टमेंट भी सेलेक्ट करते हैं। निवेशक हर दिन निवेश के नए साधन की तलाश करते हैं।

पारंपरिक प्रोडक्ट का होगा नया वर्जन

निवेश की जब भी बात होती है अक्सर निवेशक बैंकिंग प्रोडक्ट को सेलेक्ट करना पसंद करते हैं। निवेशकों को बैंक पर ज्यादा भरोसा रहता है। इसी भरोसे को कायम रखने के लिए एसबीआई अपने पारंपरिक प्रोडक्ट में नवीनता लाने की कोशिश करेगा। ऐसे में उम्मीद है कि बैंक आरडी या एसआईपी जैसे प्रोडक्ट का संयुक्त रूप ला सकता है। यह प्रोडक्ट डिजिटल रूप से सुलभ होगा।

एसबीआई चेयरमैन सी एस शेट्टी ने कहा कि बैंक अपने प्रोडक्ट को पॉपुलर बनाने के लिए नवाचारों पर विचार कर रही है।

फंड जुटा रही है बैंक

बैंक ने फंड जुटाने के लिए एक पहुंच कार्यक्रम शुरू किया है। फंड जुटाने के लिए बैंक एक फ्रेंचाइजी के तौर पर काम कर रही है। इसके लिए बैंक अपने सभी मौजूदा कस्टमर के साथ नए कस्टमर से संपर्क कर रही है।

खाद्यान्न की रिकॉर्ड पैदावार; गेहूं-चावल से भरा देश का भंडार, दलहन-तिलहन में गिरावट

जून में समाप्त फसल वर्ष 2023-24 में चावल उत्पादन रिकार्ड 13.78 करोड़ टन पर पहुंच गया जो 2022-23 में 13.57 करोड़ टन था। गेहूं का उत्पादन भी 2022-23 के 11.05 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 11.32 करोड़ टन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि दलहन उत्पादन 2.60 करोड़ टन से घटकर 2.42 करोड़ टन और तिलहन उत्पादन 4.13 करोड़ टन से घटकर 3.96 करोड़ टन रह गया।

नई दिल्ली। भारत का खाद्यान्न उत्पादन जून में समाप्त फसल वर्ष 2023-24 में रिकॉर्ड 33.22 करोड़ टन पर पहुंच गया है। गेहूं और चावल की बंपर फसल की वजह से कुल खाद्यान्न उत्पादन बढ़ा है। कृषि मंत्रालय ने बुधवार को जारी बयान में कहा कि फसल वर्ष 2023-24 के लिए अंतिम अनुमान इससे पिछले वर्ष के 32.96 करोड़ टन से 26.1 लाख टन की वृद्धि दर्शाता है।

इस दौरान चावल उत्पादन रिकार्ड 13.78 करोड़ टन पर पहुंच गया, जो 2022-23 में 13.57 करोड़ टन था। गेहूं का उत्पादन भी 2022-23 के 11.05 करोड़ टन की तुलना में बढ़कर 11.32 करोड़ टन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। हालांकि, दलहन उत्पादन 2.60 करोड़ टन से घटकर 2.42 करोड़ टन रह गया और तिलहन उत्पादन 4.13 करोड़ टन से घटकर 3.96 करोड़ टन रह गया।

मंत्रालय ने दालों, मोटे अनाजों, सोयाबीन और कपास के उत्पादन में गिरावट का कारण 'महाराष्ट्र सहित दक्षिणी राज्यों में सूखे की स्थिति' को बताया है। गन्ने का उत्पादन 49.05 करोड़ टन से घटकर 45.31 करोड़ टन रह गया, तथा कपास का उत्पादन 3.36 करोड़ गांठ से घटकर 3.25 करोड़ गांठ (एक गांठ 170 किलोग्राम) रह गया।

भारत में खाद्यान्न में चावल, गेहूं, मोटे अनाज, बाजरा और दालों को शामिल किया जाता है। मंत्रालय ने कहा कि ये अनुमान राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से मिली जानकारी पर आधारित हैं।

इस सीजन में धान की काफी अच्छी रोपाई हुई है। मानसून की बारिश ने इस बार धान की अच्छी रोपाई कराई है। सामान्य से अधिक बारिश एवं बुआई के रकबा से माना जा रहा है कि इस बार भी चावल का उत्पादन रिकॉर्ड स्तर पर जा सकता है। भारत में 75 प्रतिशत धान का उत्पादन खरीफ मौसम (जून-सितंबर) में होता है।

इस हफ्ते अकाउंट में आएगी किस्त की राशि, इन तरीकों से चेक करें आपको मिला लाभ या नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

5 अक्टूबर 2024 (शनिवार) को 11 करोड़ किसानों के अकाउंट में पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 18वीं किस्त आ जाएगी। सरकार द्वारा तारीख का एलान हो गया है। किस्त की राशि किसानों के बैंक अकाउंट में डायरेक्ट आएगी। ऐसे में आपको वह सभी तरीके जान लेने चाहिए जिसके जरिये आप चेक कर सकते हैं कि आपके अकाउंट में राशि आई है या नहीं।

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 18 वीं किस्त (PM Kisan Yojana 18th Installment) की तारीख का एलान कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी (PM Modi) 5 अक्टूबर 2024 (शनिवार) को 18वीं किस्त जारी करेंगे। इसका लाभ 11 करोड़ से ज्यादा किसानों को मिलेगा।

बता दें कि सरकार हर चार महीने के बाद योजना की किस्त की राशि जारी करती है। इस साल जून में सरकार ने पीएम किसान योजना की 17वीं किस्त (PM Kisan Yojana 17th Installment) जारी की थी। अब शनिवार को किसानों के अकाउंट 2,000 रुपये की राशि आएगी। इस योजना में हर साल किसानों के अकाउंट में 6,000 रुपये की राशि 4 किस्तों में आती है।

अगर आपने भी योजना का रजिस्ट्रेशन किया है तो आपको वह सभी तरीके जान लेने चाहिए, जिससे आप पता कर सकते हैं कि आपके बैंक अकाउंट में किस्त आई है या नहीं। हम आपको वह उन सभी तरीकों के बारे में बताएंगे।

कैसे चेक करें बैलेंस

आपके बैंक अकाउंट में किस्त की राशि आई है या नहीं। इसको आप कई तरीकों से चेक कर सकते हैं। इनमें से मुख्य तरीकों के बारे में हम आपको बता रहे हैं।

मोबाइल नंबर

पीएम किसान योजना की किस्त राशि ट्रांसफर होने के बाद आपके रजिस्टर्जड मोबाइल नंबर पर मैसेज आ जाएगा। इस मैसेज में बताया जाएगा कि आपके अकाउंट में पीएम किसान योजना की किस्त ट्रांसफर हो गई है। यह मैसेज बैंक और सरकार द्वारा आएगा।

एटीएम

बैंक अकाउंट में किस्त की राशि आई है या नहीं। इसके लिए आप एटीएम भी जा सकते हैं। आपको अपने नजदीक के एटीएम में जाकर मिनी स्टेटमेंट (Mini Statement) निकालना होगा। मिनी स्टेटमेंट में लास्ट के 10 ट्रांजैक्शन की डिटेल्स होती है।

बैंक ब्रांच

अगर एटीएम के जरिये भी आप लेटेस्ट ट्रांजैक्शन चेक नहीं कर सकते हैं तो आपको अपने नजदीक के बैंक ब्रांच जाना होगा। यहां आपको बैंक पासबुक में एंट्री करवानी होगी। बैंक पासबुक में सभी ट्रांजैक्शन की डिटेल्स आ जाती है।

पीएफ अकाउंट से पैसा निकालना हुआ आसान, यहां जानें स्टेप बाय स्टेप पूरा प्रॉसेस

परिवहन विशेष न्यूज

EPF Withdrawal Process कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) द्वारा चलाई जा रही ईपीएफ स्कीम (EPF Scheme) निवेशकों को काफी पसंद आती है। इस स्कीम के जरिये निवेशक मोटा फंड जमा कर सकते हैं। ईफीएफओ के मेंबर्स जरूरत पड़ने पर आंशिक निकासी भी कर सकते हैं। हम आपको इस आर्टिकल में पीएफ अकाउंट (PF Account) से फंड निकालने का प्रोसेस बताएंगे। पढ़ें पूरी खबर..

नई दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (EPFO) द्वारा चलाई जा रही ईपीएफ स्कीम (EPF Scheme) के तहत मोटा फंड जमा किया जा सकता है। इस फंड का लाभ रिटायरमेंट के बाद पेंशन के तौर पर मिलता है। हालांकि, आपात स्थिति में भी यह फंड काफी काम आता है। जी हां, ईपीएफ में आंशिक निकासी की सुविधा मिलती है।

कुछ स्थितियों में ही आंशिक निकासी की अनुमति होती है। ऐसे में हम आपको नीचे बताएंगे कि आप किन स्थिति में आंशिक निकासी कर सकते हैं और पीएफ अकाउंट (PF Account) से पैसे विड्रॉल करने का प्रोसेस क्या है।

किस स्थिति में निकाल सकते हैं राशि

अगर आपातकालीन इलाज करवाना हो तब भी निकासी की जा सकती है।

बच्चों की पढ़ाई के लिए भी आप पीएफ फंड से पैसे निकास सकते हैं।

अगर आपकी या भाई-बहन या फिर बेटा-बेटी की शादी है तब भी आप पीएफ अकाउंट से पैसे निकाल सकते हैं।

घर खरीदने या फिर घर में मरम्मत के काम के लिए भी फंड से पैसे निकाल सकते हैं।

पीएफ अकाउंट से पैसे निकालने का प्रोसेस

आप पीएफ अकाउंट से दो तरीके से पैसे विड्रॉल करने के दो तरीके हैं। आप ईपीएफओ के ऑफिशियल वेबसाइट और उमंग ऐप (Umang App) के जरिये पैसे विड्रॉ कर सकते हैं।

EPFO पोर्टल में कैसे करें आवेदन

सबसे पहले EPFO पोर्टल पर UAN और पासवर्ड की मदद से लॉग-इन करें।

अब ऑनलाइन सर्विस में जाकर क्लेम को सेलेक्ट करके ऑटो मोड सेटलमेंट पर क्लिक करें।

इसके बाद अपने बैंक अकाउंट को वेरिफाई करें और अकाउंट का पासबुक या चेक अपलोड करें।

अब पैसे विड्रॉल करने का रीजन बताएं और सबमिट करें।

यह भी पढ़ें: Share Market Holiday: गांधी जयंती पर बंद रहेगा शेयर बाजार, जानिए अक्टूबर में कितने दिन रहेगी छुट्टी

Umang APP से कैसे निकालें पैसे?

Umang App में आधार नंबर या मोबाइल नंबर के जरिये रजिस्ट्रेशन करें।

अब ₹EPFO₹ सर्विस के ऑप्शन को सेलेक्ट करें।

इसके बाद आधार नंबर या मोबाइल नंबर के जरिये ईपीएफओ सर्विस में लॉग-इन करें।

अब रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर आए ओटीपी (OTP) को भरें।

अब ₹PF Withdrawal₹ के ऑप्शन में जाकर ₹Claim Form₹ पर क्लिक करें।

इसके बाद सभी जरूरी डिटेल्स भरकर सबमिट करें।

अब मोबाइल नंबर पर दोबारा आए ओटीपी को दर्ज करें।

कितने दिनों में आएगा पैसा

पीएफ अकाउंट से पैसे विड्रॉल के रिक्वेस्ट देने के बाद लगभग 7 से 10 वर्किंग डे के भीतर ही बैंक अकाउंट में पैसे आ जाते हैं। अगर इतने दिन में पैसे नहीं आते हैं तो हेल्पलाइन नंबर 1800-180-1425 पर संपर्क कर सकते हैं।

स्टॉक मार्केट में एंट्री के लिए तैयार, कितना मिल सकता है लिस्टिंग गेन?

शेयर बाजार में पिछले महीने केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड का आईपीओ ओपन हुआ था। इस हफ्ते सोमवार को आईपीओ का अलॉटमेंट हो गया। अब 3 अक्टूबर 2024 को कंपनी का आईपीओ लिस्ट होगा। इस आईपीओ को निवेशकों से काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। आइए जानते हैं कि KRN Heat Exchanger IPO GMP क्या संकेत दे रहे हैं।

नई दिल्ली। शेयर बाजार में लिस्टिंग का सिलसिला थमा नहीं है। कल स्टॉक मार्केट में KRN Heat Exchanger का आईपीओ लिस्ट होगा। निवेशकों को केआरएन हीट एक्सचेंजर का आईपीओ काफी पसंद आया। 30 सितंबर 2024 (सोमवार) को निवेशकों को आईपीओ अलॉट हो गया है।

अब कंपनी के आईपीओ की लिस्टिंग की चर्चा शुरू हो गई है। वैसे तो निवेशकों को उम्मीद है कि कंपनी का आईपीओ प्रमियम के साथ लिस्ट होगा। हम आपको बताने जा रहे हैं कि कंपनी के आईपीओ को लेकर ग्रे मार्केट क्या संकेत दे रहे हैं।

क्या प्रीमियम के साथ होगी लिस्टिंग

निवेशकों को कंपनी का आईपीओ अलॉट हो गया है। ग्रे मार्केट (Grey Market) में कंपनी के आईपीओ को काफी अच्छा रिस्पांस मिला है। दरअसल, यह (KRN Heat Exchanger IPO GMP) 100 फीसदी प्रीमियम के साथ लिस्टिंग होने का संकेत दे रही है। इसका मतलब है कि कंपनी के आईपीओ को लेकर बंपर लिस्टिंग के संकेत मिल रहे हैं।

मार्केट एक्सपर्ट के अनुसार कंपनी के शेयर गैर-सूचीबद्धि तरीके से 270 रुपये प्रीमियम पर कारोबार कर रहा है। यह कंपनी के इश्यू प्राइस से 122 फीसदी अधिक है। हालांकि, आज कंपनी के जीएमपी में 6 रुपये की गिरावट देखने को मिली है।

केआरएन हीट एक्सचेंजर आईपीओ के बारे में

केआरएन हीट एक्सचेंजर का आईपीओ सब्सक्रिप्शन के लिए 25 सितंबर 2024 से 27 सितंबर 2024 तक के लिए खुला था। कंपनी ने फ्रेश इश्यू के तहत 15,543,000 शेयर जारी किये हैं। सब्सिक्रिप्शन कि दिनों में कंपनी के आईपीओ की काफी डिमांड थी।

स्टॉक एक्सचेंज की जानकारी के अनुसार कंपनी का आईपीओ 214.42 गुना ओवरसब्सक्राइब हुई है। इस आईपीओ में सबसे ज्यादा गैर-संस्थागत निवेशकों ने दिलचस्पी दिखाई है।

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार-

गैर-संस्थागत निवेशकों ने 431.63 गुना बोलियां लगाई।

योग्य संस्थागत खरीदारों ने 253.04 गुना बोलियां लगाई।

खुदरा व्यक्तिगत निवेशकों ने 98.29 गुना बोलियां लगाई।

क्या करती है कंपनी (About KRN Heat Exchanger)

केआरएन हीट एक्सचेंजर एंड रेफ्रिजरेशन लिमिटेड एयर कंडीशनिंग और रेफ्रिजरेशन इंडस्ट्री है। यह तांबे और एल्यूमीनियम के पंख और ट्यूब, हीट एक्सचेंजर्स, वॉटर कॉइल, कंडेनसर कॉइल और इवेपोरेटर कॉइल की मैन्यूफैक्चरिंग करती है। इसके क्लाइंट में डाइकिन एयरकंडिशनिंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, श्नाइडर इलेक्ट्रिक आईटी बिजनेस इंडिया प्राइवेट लिमिटेड जैसे कई कंपनियां शामिल हैं। बता दें कि इसकी मैन्यूफैक्चरिंग यूनिट नीमराना, राजस्थान में है।

समरसता और सौहार्द से भारत को श्रेष्ठता के शिखर पर ले जाएंगे

–संत बालयोगी उमेशनाथ जी, राज्यसभा सांसद

नई दिल्ली । प्रगति मैदान के भारत मंडपम में देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित अवॉर्डों में से एक नेशनल गौरव अवार्ड का रंगारंग आयोजन हुआ । इंडियन ब्रेव्हार्ट संस्था द्वारा नेशनल गौरव अवार्ड का आयोजन पिछले 9 वर्षों से विज्ञान भवन में होता आया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री क्षेत्र बाल्मीकि धाम पीठाधीश्वर परम पूज्य राष्ट्रीय संत बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज राज्यसभा सांसद, आर.एस.एस. के वरिष्ठ श्री इंद्रेश कुमार जी, आर. के. सिन्हा जी पूर्व राज्य सभा सांसद, अनिल कुमार यादव न्यायाधीश, इना शास्त्री जी वनस्थली विद्यापीठ यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर, मोनिशा पंवार-देवेंद्र पंवार संस्थापक इंडियन ब्रेव्हार्ट और प्रसिद्ध समाजसेवी लोकेश शर्मा जी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए । इस अवसर पर श्री क्षेत्र बाल्मीकि धाम, महाकाल नगरी उज्जैन से पधारे संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति के मूल समरसता और सौहार्द से भारत को श्रेष्ठता के शिखर पर ले जाएंगे । कार्यक्रम में देश की प्रसिद्ध संस्था लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और लोहिया ग्लोबल ने भी सहभागिता की।

इंडियन ब्रेवहार्ट भारत की सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्र को समर्पित एक सूचिबद्ध सामाजिक संस्था है और भारत के मूर्धन्य विद्वानों, लेखकों, पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिको और गणमान्य समाजसेवियों के मार्गदर्शन और सानिध्य में पिछले 9 वर्षो से श्रेष्ठ नागरिको के निर्माण द्वारा समर्थ, सबल और समृद्ध भारत के निर्माण में कार्यरत है। इस बार संस्था के कार्यक्रम का मुख्य बिन्दु समरसता और समाज में सौहार्द की स्थापना रही । कार्यक्रम में इस बार का मुख्य आकर्षण युवा प्रतिभाओं का सम्मान रहा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को युवाओं ने ही प्रस्तुत किया । राष्ट्रीय केडिट कोर की बालिकाओं की 2 दिल्ली बटालियन को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

संस्था द्वारा देश के विभिन्न राज्यों से आए समाज के विभिन्न आयामों में उल्लेखनीय काम करने वाले व्यक्तियों को नेशनल गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया । जिनमें से प्रमुख हैं सुधीर गोयल सेवा धाम उज्जैन, श्री संजय तोमर दिल्ली फायर सर्विस, शिक्षा के क्षेत्र में 22 चांसलर कुसुम दुग्गल साइबर यूनिवर्सिटी, वाइस चांसलर वनस्थली विद्यापीठ जयपुर, वाइस चांसलर राजीव सूद फरीदकोट यूनिवर्सिटी पंजाब, वाइस चांसलर मुरली मनोहर पाठक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और चांसलर आरसी टेक्निकल यूनिवर्सिटी अजय प्रकाश श्रीवास्तव जी एवं शिक्षा, संस्कार एवं समाज सेवा के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध एकल अभियान, भारत लोक शिक्षा परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन नीरज राययादा जी, दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल थान सिंह खेल जगत के क्षेत्र में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सहदेव यादव, एम विजय शर्मा, युवा पायलट शांतम अग्रवाल और पत्रकारिता के क्षेत्र में असीम मिश्रा डीडी न्यूज़, संजय बरगल प्रेसिडेंट जम्मू प्रेस क्लब, सुमंत कुमार TV9 भारतवर्ष, ऐश्वर्या दुबे जी न्यूज़, के साथ बहुत सी ऐसी महान विभूतियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में अति विशिष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य किए हैं ।उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से आए वरिष्ठ समाज सेवी सुनील गुप्ता और कृष्ण कांत जयसवाल जी को भी सम्मानित किया गया। इंडियन ब्रेव हार्ट संस्था ने अपनी गौरवमययी परम्परा को बनाए रखते हुए इस बार भारत मंडपम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट, स्कूल बैंड और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अवॉर्ड फंक्शन में आए हुए सभी दर्शकों का मन जीत लिया।

'भारतीयों ने इसे अपना निजी लक्ष्य बनाया', स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे होने पर बोले पीएम मोदी

2 अक्टूबर को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती मनाई जाती है। स्वच्छ भारत मिशन के एक दशक पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पीएम ने कहा कि लोगों ने इसे अपना निजी लक्ष्य बनाया है। पीएम ने सभी राज्यों के सीएम और जन प्रतिनिधियों के स्वच्छता अभियान में अपना अहम योगदान देने पर सराहना की।

नई दिल्ली । दिल्ली के विज्ञान भवन में स्वच्छ भारत मिशन के 10 साल पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में करोड़ों भारतीयों ने इस मिशन को अपना निजी लक्ष्य बना लिया है। इस यात्रा के बाद दशक मैं सभी देशवासियों, स्वच्छता कार्यकर्ताओं, धार्मिक नेताओं, हमारे खिलाड़ियों, मशहूर हस्तियों, गैर सरकारी संगठनों और मीडिया कर्मियों के योगदान की सराहना करता हूं।

राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के योगदान को पीएम ने सराहा

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व उपराष्ट्रपति आप सभी ने स्वच्छ भारत मिशन को जन क्रांति बनाया राष्ट्रपति ने 'स्वच्छता ही सेवा' में भाग लिया और योगदान दिया।

सभी राज्यों के सीएम और जन प्रतिनिधियों ने भी स्वच्छता अभियान में योगदान दिया। 'सेवा पखवाड़ा' के 15 दिनों में 27 लाख से अधिक कार्यक्रम हुए, जिनमें अधिक 28 करोड़ से अधिक लोगों ने भाग लिया।

इस पहल से 'स्वच्छ भारत' की भावना और मजबूत होगी-PM

इससे पहले प्रधानमंत्री ने अपने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ₹गांधी जयंती पर आज अपने युवा साथियों के साथ स्वच्छता आभियान का हिस्सा बना। मेरा आप सभी से आग्रह है कि आज आप भी अपने आसपास स्वच्छता से जुड़ी मुहिम का हिस्सा जरूर बनें। आपकी इस पहल से 'स्वच्छ भारत' की भावना और मजबूत होगी।

महाशक्ति की कृपा से विश्व में सद्भावना का संचार हो और माँ का आशीर्वाद सम्पूर्ण जगत पर बनी रहे : समाजसेवी पंकज जैन

सभी देशबासियों को शरदीय नवरात्रि की बधाई व शुभकामनाए, मातारानी आप की मनोकामना पूर्ण करें : समाजसेवी पंकज जैन

आगरा,संजय साग़र सिंह । सनातन धर्म में शारदीय नवरात्र के नौ दिनों की अवधि बहुत ही पावन-पवित्र मानी गई है। इन नौ दिनों में महाशक्ति के नौ रूपों की पूजा-अर्चना करने का विधान है। ताकि साधक और उसके परिवार पर माता रानी की कृपा बनी रहे। इस साल शारदीय नवरात्र की शुरुआत गुरुवार 3 अक्टूबर से हो रही है। जिसका समापन 11 अक्तूबर को नवमी के दिन होगा और 12 अक्तूबर को विजयदशमी का पर्व मनाया जाएगा।

शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर समाजसेवी पंकज जैन ने सुख, शांति और समृद्धि एवम्विश्व कल्याण की कामना करते हुए कहा, इस शारदीय नवरात्र के शुभ अवसर पर हम मां जगत जननी से देश-प्रदेश की सुख, समृद्धि व जीवमात्र के कल्याण की कामना करते है। महाशक्ति की कृपा से विश्व में सद्भावना का संचार हो और माँ का आशीर्वाद सम्पूर्ण जगत पर बनी रहे। शक्ति स्वरूपा माता जगदंबा की अनुकंपा से सभी का जीवन सुख, शांति एवं आरोग्यता से परिपूर्ण हो यही हमारी प्रार्थना है। सभी देशबासियों को शारदीय नवरात्रि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं, मातारानी आप सभी की मनोकामना पूर्ण करें।

श्री जैन ने कहा, इस संसार में जो कुछ भी श्रेष्ठ शुभ और मंगल में है। वह सब मां भगवती की विभूति है। मां जगत जननी जगदम्बा दया एवं करुणा का सागर है, जो भक्तों की सूक्ष्म आराधना से ही प्रसन्न होकर उन्हें मनोवांछित फल प्रदान करती हैं। जगत का कल्याण करने वाली मां भगवती की आराधना से व्यक्ति में उत्तम चरित्र का निर्माण होता है। भारतीय परम्परा में नवरात्रि का आयोजन देवी के नौ स्वरूपों के माध्यम से शक्ति, ज्ञान तथा ऐश्वरय के तीन महत्वपूर्ण पक्षो को प्रगट करता हैं। मां जगदम्बा की एकाग्रता के माध्यम से मां के शरणागत रहते हुए जीवन को सफल बनाने के लिए शारदीय नवरात्र सर्वोत्तम पर्व है। माँ जगत जननी की शक्ति और भक्ति व्यक्ति के जीवन को भवसागर से पर लगती है। मां दुर्गा की पूजा करने से जीवन में सुख समृद्धि आती है और नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है। पृथ्वी पर जब कभी असहायों पर अत्याचार बढ़ता है, तब मां भगवती किसी न किसी रूप में अवतरित होकर मानव जाति का कल्याण करती है। इसलिए मां शक्ति की पूजा के लिए नवरात्र अत्यधिक महत्वपूर्ण है। नवरात्र पर्व के दौरान सात्विक मन से की गई मां भगवती की आराधना सहस्त्र गुना पूर्ण फलदाई होती है। नवरात्रों में माँ भगवती की आराधना से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं। मां भगवती की आराधना सभी भक्तों के लिए कल्याणकारी हैं। नवरात्रों में प्रतिदिन मां भगवती के अलग-अलग स्वरूपों की पूजा करना करने से भक्तों के सभी कष्ट और परेशानियां दूर हो जाती है। नवरात्रि पर आराधना करने से मां भगवती का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

उन्हीने आगे कहा, मां भगवती की कृपा से भाग्य प्रबल होता है और परिवार में सुख समृद्धि का वास होता है। नवरात्रों में नौ दिन तक की गई आराधना से प्रसन्न होकर मां भगवती भक्तों के भंडार भर देती है। मां दुर्गा अपने भक्तों का कष्ट दूर कर जीवन में खुशहाली स्थापित करती है और समय-समय पर मां दुर्गा अलग-अलग स्वरूपों स्वरूप धारण कर भक्तों की रक्षा करती हैं। नवरात्रि के नौ दिनों में भक्तों द्वारा श्रद्धा समर्पण भाव से मां दुर्गा की पूजा आराधना करने से मां भगवती लोक कल्याण करती है और जीवन में शांति स्थापित करती है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपने जीवन को सार्थक बनाने के लिए मां भगवती की आराधना अवश्य करनी चाहिए। नवरात्रों में माँ भगवती की आराधना से भक्तों के कष्ट दूर होते हैं। जो भी भक्त आस्था से सिर झुकाते हैं, मां उसकी मुरादे पूरी करती है।

भारत मंडपम में नेशनल गौरव अवार्ड की धूम

महेश ढोंढियाल

नई दिल्ली । प्रगति मैदान के भारत मंडपम में देश के सर्वाधिक प्रतिष्ठित अवॉर्डों में से एक नेशनल गौरव अवार्ड का रंगारंग आयोजन हुआ । इंडियन ब्रेव्हार्ट संस्था द्वारा नेशनल गौरव अवार्ड का आयोजन पिछले 9 वर्षों से विज्ञान भवन में होता आया है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर श्री क्षेत्र बाल्मीकि धाम पीठाधीश्वर परम पूज्य राष्ट्रीय संत बालयोगी श्री उमेशनाथ जी महाराज राज्यसभा सांसद, आर.एस.एस. के वरिष्ठ श्री इंद्रेश कुमार जी, आर. के. सिन्हा जी पूर्व राज्य सभा सांसद, अनिल कुमार यादव न्यायाधीश, इना शास्त्री जी वनस्थली विद्यापीठ यूनिवर्सिटी की वाइस चांसलर, मोनिशा पंवार-देवेंद्र पंवार संस्थापक इंडियन ब्रेव्हार्ट और प्रसिद्ध समाजसेवी लोकेश शर्मा जी सहित अन्य विशिष्ट अतिथि शामिल हुए । इस अवसर पर श्री क्षेत्र बाल्मीकि धाम, महाकाल नगरी उज्जैन से पधारे संत बालयोगी उमेशनाथ जी महाराज ने कहा कि भारतीय संस्कृति के मूल समरसता और सौहार्द से भारत को श्रेष्ठता के शिखर पर ले जाएंगे । कार्यक्रम में देश की प्रसिद्ध संस्था लाइफ इंश्योरेंस कंपनी और लोहिया ग्लोबल ने भी सहभागिता की।

इंडियन ब्रेवहार्ट भारत की सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्र को समर्पित एक सूचिबद्ध सामाजिक संस्था है और भारत के मूर्धन्य विद्वानों, लेखकों, पत्रकारों, प्रशासनिक अधिकारियों, विश्वविद्यालयों के कुलपतियों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिको और गणमान्य समाजसेवियों के मार्गदर्शन और सानिध्य में पिछले 9 वर्षो से श्रेष्ठ नागरिको के निर्माण द्वारा समर्थ, सबल और समृद्ध भारत के निर्माण में कार्यरत है। इस बार संस्था के कार्यक्रम का मुख्य बिन्दु समरसता और समाज में सौहार्द की स्थापना रही । कार्यक्रम में इस बार का मुख्य आकर्षण युवा प्रतिभाओं का सम्मान रहा और सांस्कृतिक कार्यक्रमों को युवाओं ने ही प्रस्तुत किया । राष्ट्रीय केडिट कोर की बालिकाओं की 2 दिल्ली बटालियन को भी इस अवसर पर सम्मानित किया गया।

संस्था द्वारा देश के विभिन्न राज्यों से आए समाज के विभिन्न आयामों में उल्लेखनीय काम करने वाले व्यक्तियों को नेशनल गौरव अवार्ड से सम्मानित किया गया । जिनमें से प्रमुख हैं सुधीर गोयल सेवा धाम उज्जैन, श्री संजय तोमर दिल्ली फायर सर्विस, शिक्षा के क्षेत्र में 22 चांसलर कुसुम दुग्गल साइबर यूनिवर्सिटी, वाइस चांसलर वनस्थली विद्यापीठ जयपुर, वाइस चांसलर राजीव सूद फरीदकोट यूनिवर्सिटी पंजाब, वाइस चांसलर मुरली मनोहर पाठक लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय विश्वविद्यालय और चांसलर आरसी टेक्निकल यूनिवर्सिटी अजय प्रकाश श्रीवास्तव जी एवं शिक्षा, संस्कार एवं समाज सेवा के क्षेत्र में विश्व प्रसिद्ध एकल अभियान, भारत लोक शिक्षा परिषद के राष्ट्रीय चेयरमैन नीरज राययादा जी, दिल्ली पुलिस के हेड कांस्टेबल थान सिंह खेल जगत के क्षेत्र में द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सहदेव यादव, एम विजय शर्मा, युवा पायलट शांतम अग्रवाल और पत्रकारिता के क्षेत्र में असीम मिश्रा डीडी न्यूज़, संजय बरगल प्रेसिडेंट जम्मू प्रेस क्लब, सुमंत कुमार TV9 भारतवर्ष, ऐश्वर्या दुबे जी न्यूज़, के साथ बहुत सी ऐसी महान विभूतियों को सम्मानित किया गया जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में अति विशिष्ट एवं उल्लेखनीय कार्य किए हैं ।उत्तराखंड की राजधानी देहरादून से आए वरिष्ठ समाज सेवी सुनील गुप्ता और कृष्ण कांत जयसवाल जी को भी सम्मानित किया गया। इंडियन ब्रेव हार्ट संस्था ने अपनी गौरवमययी परम्परा को बनाए रखते हुए इस बार भारत मंडपम सभागार में आयोजित कार्यक्रम में एनसीसी कैडेट, स्कूल बैंड और रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों से अवॉर्ड फंक्शन में आए हुए सभी दर्शकों का मन जीत लिया।

आईजी गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या पर झुमे

परिवहन विशेष न्यूज

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में पितृपक्ष अमावस्या पर गायों को अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालूराम काग, सचिव हुक्माराम सानपुरा, बाबूलाल लेरचा,ढगलाराम सेपटा, नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलेवा, शंकरलाल बर्फा, मोहनलाल हाम्बड़,बाबूलाल मुलेवा मोलाली, गणेशराम बर्फा, प्रकाश चोयल,मोतीलाल काग, नारायणलाल आगलेचा, जयराम, जगदीश मालविया, माधुराम चोयल,भंवरलाल मुलेवा, अर्जुन लाल बर्फा, ओशक हाम्बड़,मुलाराम पंवार, मांगीलाल सोलंकी कालूराम काग चितल, गोपाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, पारसमल शर्मा,मांगीलाल काग,बाबूलाल मुलेवा, नारायण लाल काग रामनगर (माह प्रसादी) नेमाराम मुलेवा भैराराम सोलंकी,जीताराम पंवार, धन्नाराम देवड़ा, मोतीलाल हाम्बड़, जेठाराम गेहलोत, वेनाराम चोयल, चुन्नीलाल पंवार व मांगीलाल, कालुराम,भूराराम काग, चितल तरफ से गायों के लिए एक गाड़ी कुट्टी देकर पुण्य लाभ लिया। गौभक्तो ने गौसेवा की। अवसर पर श्री महात्मा जी मुनीषा नन्दजी ने प्रवचन दिया भजन गायक संदीप सेजू, महावीर मारवाड़ी भौराराम सैणचा, रमेश सीरवी, रमेश प्रजापत, द्वारा भजन प्रस्तुति किये लाईव प्रसारण BRS राजस्थानी मिडिया भगवान राम राठौड़, बबलू द्वारा किया।

सिद्धांत, आदर्श, भविष्य और वफ़ा

एक पूर्व मंत्री ने बी जे पी छोड़ी,
कहा पार्टी सिद्धांतों से भटक गई है।
क्योंकि मेरी भी टिकट लटक गई है?
वो ये कहने लगे राष्ट्रीय विचारधारा
और आदर्श तो राजनीति से जुड़े थे,
टिकट के लिए ही हम भी तो अड़े थे।
इधर रेवाड़ी में क्या बोले केजरीवाल,
आपके बच्चों का भविष्य बना दूंगा।
जिसका खुद का भविष्य अधर में हैं!
नहीं तो आतिशी सा शिष्य बना लूंगा।
सावित्री कहती जाट संघ मेरा
परिवार,
मुझे विजयी बनाईएं ये हैं मेरा हिसार।
अब जिंदल निकाल रही है खूब मार्च,
कह रही हैं एकजुट हो जलाओ टॉर्च।
सावंत कहे बड़े मार्जिन से होगी जीत,
तभी होगी हिसार की जनता से प्रीत।
सैनी बोले राहुल की निकल चुकी
हवा,
शैलजा की नाराजगी हो गईं रफा-
दफा।
राहुल बोले हुड्डाजी और मेरे साथ
खड़ी हैं,
अब तो कांग्रेस के प्रति उनकी वफ़ा
बढ़ी है।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर (मध्यप्रदेश)
98260-25986

झारखंड में ओडिय़ विलुप्त करने का षड्यंत्र कर रही है हेमंत सरकार : मुख्यमंत्री, ओडिशा

कार्तिक कुमार परिच्छा

सरायकेला। चुनावी बुखार से झारखंड आहिस्ता-आहिस्ता तप रहा है इसका आगाज ओडिशा की मयूरभंज जिले की बेटी झारखंड मुख्यमंत्री की पत्नी कल्पना सोरेन के सरायकेला -सिंहभूम आगमन के तुरन्त बाद ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन मांझी ने सिंहभूम में परिवर्तन रैली मे अतिथी तौर पर ओड़िया वोटर्स को लुभाने की भरपुर कौशिश की है। मुख्यमंत्री मोहन मांझी का आगमन पश्चिम सिंहभूमके जिले के जगन्नाथपुर - मझगांव विधानसभा मुख्यालय क्षेत्र मे हुआ । उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि मेरा घर याहां से 15 किलोमीटर दूर पर है जब भी जोर से आवाज़ लगायेंगे मैं हां कहुंगा ।अपने इस बात पर उन्होंने काफी लोकप्रियता भी बटोरी ।

1936 पहले तक समुचा सिंहभूम एवं 1948 में ओडिशा का एक राजस्व जिला रहा सरायकेला के उपेक्षित ओड़िआ लोग मौजूदा राजनीति में झारखंड में सस्ते वोटर्स माने जाते । परिवर्तन मंच पर ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन माझी ने कहा कि तीनों सिंहभूम में करीब 40 लाख ओडिया रहते हैं । लेकिन हेमंत सोरेन सरकार ओडिया भाषा को खत्म कर रही है । ओड़िया लोगों के मांग पर झारखंड में ओडिशा के शिक्षकों की मानदेय 3,000 रुपये से लेकर 6,000 रुपये करने की बात कही । उन्होंने मुफ्त में ओड़िया किताबें देने की भी घोषणा की है । माझी ने आगे कहा कि भले ही ओडिशा और झारखंड दो अलग-अलग राज्य हैं, लेकिन उनकी आत्मा एक है दोनों कभी एक संयुक्त राज्य हुआ करते थे। पिछले चार वर्षों से झारखंड में एक भ्रष्ट सरकार का शासन है.चार बर्षों से झारखण्ड में कठपूतली व भ्रषक्टाचार ग्रस्त सरकार चल रही है. आशा है दुर्गा दुर्गतिनाशिनी आने वाले चुनाव में इसका सर्वनाश करेंगी. यंहा खेतिहरो किसानों का न्युनतम मासिक आय 4 हजार 4 सौ मात्र है. यह देश में सबसे कम है. इसका उत्तरदायी है हेमंत सरकार. यंहा बीजेपी का सरकार लाना होगा. मांझी ने कहा देख रहा हूँ उड़िया भाषा भाषी लोग दुसरे दर्जे के नागरिक हैं. इन्हे उपर उठाने का दायित्व भी हेमंत सरकार का है पर यह सरकार ऐसानहीं करती . इसलिए झारखण्ड में भी डबल इंजन की सरकार लाना है. डबल इंजन सरकार जो कहती है वह करती है. यह हमारे ओडिशा में देखने को मिल रहा है. झारखंड में उड़िया भाषा उपेक्षित हैं. हेमंत सरकार यहाँ शिक्षकों कि बहाली न कर उड़िया को विलुप्त करने का प्रयास कर रही है. कभी झारखण्ड के इस जिले में 136 ओडिया स्कूल थे, उड़िया शिक्षकों का निवेदन को स्वीकार करते हुए कहा उनका मानदेय वृद्धि करते हुए अब 3000 से 6000 शीघ्र हजार किया जाएगा. शिक्षकों का बकाया पैसा भी दिया जाएगा. यहाँ के उड़िया छात्र छात्राओं को निःशुल्क पुस्तक भी दी जाएगी । स्कूल भवन भी बनाया जाएगा उन्होंने भरी मंच से अपील करते हुए कहा कि मूलवासी सबों को एकसाथ मिल कर भाजपा को लाना है.हमारी योजना माध्यम से झारखण्ड में डबल इंजन सरकार बनते ही खाते में 21सौ रुपये दिये जायेगे.। प्रतिमाह ।

कविता : बेमिसाल और बेताब हैं

बस लिखना है एक नया इतिहास,
कहते हैं दस साल हुए बेमिसाल।
अब याद आ रहे हैं सात सरोकार,
पाँच को जनता करेगी परोपकार।
सड़कों पर घूमते आवारा जानवर,
अतिक्रमण और टूटी-फूटी सड़के!
पर्दों में जा के छुप गई योगी के रहते।
बड़ी-बड़ी रैलियां और बड़े-बड़े स्टार,
इनको तो निरहुआ से हुआ है प्यार।
अखबारों में हर दिन बड़े विज्ञापन,
जनता भी दे चुकी कई बार ज्ञापन।
अब भाषणों से रिझाना नहीं आसान,
पार्टियों के बीच मच गया है घमासान।
देखों शैलजा कह रही चंद्रमोहन से,
कोई बेहतर विधायक नहीं मिल सकता।
स्थिति विकट है कमल ना खिल सकता?
किंग मेकर बनने को तो सभी बेताब है,
यह चुनाव सभी के लिए खुली किताब है।

संजय एम. तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)
इंदौर (मध्यप्रदेश)

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023